website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 43 | पेज: 8 | जयपुर, शुक्रवार 23 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

## माघ मेले में शंकराचार्य के समर्थन में उतरे सचिन पायलट, योगी सरकार पर साधा निशाना

जयपुर। प्रयागराज माघ मेले में बीते पांच दिनों से धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के समर्थन में अब सियासत भी गर्मा गई है। कांग्रेस महासचिव और राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट टोंक से खुलकर उनके समर्थन में सामने आए हैं, जिससे यह मामला राजनीतिक रूप से और अहम हो गया है। सचिन पायलट ने कहा कि शंकराचार्य के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कतई उचित नहीं है। उन्होंने यह बयान राजस्थान के टोंक जिले में मीडिया से बात करते हुए दिया है।

**बीजेपी की राजनीति से असहमति की सजा दी जा रही: सचिन पायलट**

सचिन पायलट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के मुद्दे को लेकर यूपी की योगी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी की राजनीतिक सोच को फॉलो नहीं करने की वजह से शंकराचार्य को प्रताड़ित किया जा रहा है। हिंदू धर्म के संरक्षक होने का दावा करने वाले लोग ही आज धर्म गुरुओं को परेशान कर रहे हैं।

**असहमति जताने वालों को दबाया जा रहा, शंकराचार्य को किया गया प्रताड़ित**

इसके अलावा सचिन पायलट ने कहा कि जो भी लोग बीजेपी की बात को नहीं मानते हैं, उन्हें मजा चखाने का काम किया जाता है। शंकराचार्य को रोने पर मजबूर किया जा रहा है। शंकराचार्य के साथ जो कुछ हुआ, वह पूरी तरह आपत्तिजनक है। ऐसा सिर्फ इसलिए किया गया क्योंकि वह बीजेपी की राजनीतिक सोच से सहमत नहीं रहते हैं।

## भाजपा में पदों के लिए आयु सीमा तय करने की तैयारी

नई दिल्ली। भाजपा ने नितिन नवीन को अध्यक्ष बनाया है, जो महज 45 साल के हैं। वह पार्टी के अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं और उन्होंने कमान संभालते ही भाजपा को युवाओं की पार्टी बनाने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। ऐसे समय में जब जेन-जी को लेकर काफी चर्चा हो रही है, भाजपा ने उन्हें अध्यक्ष बनाकर साफ संकेत दिया है कि पार्टी का फोकस युवा नेतृत्व पर है। यही नहीं, पीएम मोदी ने भी उनकी ताजपोशी के मौके पर यह कहते हुए इसका जिक्र किया कि नितिन नवीन मिलेनियल पीढ़ी से आते हैं। इससे यह संदेश गया कि वह युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं और भाजपा इसी वर्ग को आगे बढ़ाना चाहती है। अब इसी दिशा में संगठन को भी तैयार करने की कोशिश तेज हो गई है।

**युवा मोर्चा में उम्र की शर्त लागू करने पर चर्चा**

भाजपा सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी ऐसे नेता को दी जा सकती है, जिसकी उम्र 35 साल या उससे कम हो। वहीं, राज्यों में युवा मोर्चा के अध्यक्ष 32 साल के आसपास उम्र वाले नेताओं को बनाया जा सकता है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, नितिन

नवीन चाहते हैं कि युवा टीम को संगठन में ज्यादा तवज्जो दी जाए और युवा मोर्चा में वाकई युवा नेताओं को ही मौका मिले। इस मुद्दे पर बुधवार को हुई भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में विस्तार से मंथन हुआ। संगठन महामंत्री बीएल संतोष और सह-महामंत्री शिवप्रकाश ने स्पष्ट किया कि अब आयु सीमा से जुड़ा विचार सख्ती से लागू किया जा सकता है।

**पांच राज्यों के चुनाव और संगठनात्मक रणनीति पर मंथन**

बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि युवाओं को संगठन में अधिक जिम्मेदारी कैसे दी जाए। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर भी रणनीति बनाई गई। नितिन नवीन ने कहा कि चुनावी सफलता के लिए बेहतर संवाद, मजबूत संगठन और सरकार के साथ समन्वय बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर दिया कि केंद्र सरकार की नीतियों को प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाया जाना चाहिए।

**मीडिया में बयानबाजी को लेकर सख्त संदेश**

नितिन नवीन ने पार्टी नेताओं को मीडिया में बयान देते समय सावधानी बरतने की हिदायत भी दी। उन्होंने कहा कि केवल अधिकृत लोग ही पार्टी की राय सार्वजनिक रूप से रखें। वहीं, बीएल संतोष ने सुझाव दिया कि दिहाड़ी मजदूरों तक पहुंचने के लिए एक अलग टीम बनाई जानी चाहिए। इसके साथ ही विकसित भारत–जी राम जी योजना को किसानों तक पहुंचाने और समझाने के लिए भी एक विशेष सेल गठित करने पर विचार रखा गया।

## दिल्ली-एनसीआर की हवा में सुधार, GRAP-3 भी हटाया गया

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली और एनसीआर इलाकों की हवा आज और साफ होते ही ग्रैप-3 को भी हटा लिया गया है। बता दें कि एक दिन पहले ही ग्रैप-4 हटाया गया था। अब दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप-1 और ग्रैप-2 लागू रहेगा। मौसम की स्थिति में सुधार होने के कारण दिल्ली का AQI (वायु गुणवत्ता सूचकांक) बेहतर हो रहा है। आज हवा की क्वॉलिटी 322 दर्ज की गई है। IMD/IITM के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में AQI के 'सामान्य' (Moderate) से 'खराब' (Poor) श्रेणी में रहने की संभावना है।

**बैठक में क्या बात हुई?**

CAQM ने अपनी बैठक में यह तय किया है कि निर्माण और तोड़फोड़ (C&D) वाली ऐसी साइटें जिन्हें नियमों के उल्लंघन या अनदेखी के कारण बंद करने का आदेश (Closure Order) दिया गया था, वे किसी भी स्थिति में अपना काम दोबारा शुरू नहीं कर सकेंगी। वे तभी काम शुरू कर पाएंगी जब आयोग (CAQM) इस संबंध में कोई विशेष आदेश जारी करेगा। चरण-1 (Stage-1) और चरण-II (Stage-II) के तहत लागू पाबंदियां और कार्रवाइयां जारी रहेंगी। पूरे एनसीआर (NCR) में सभी संबंधित एजेंसियां इन नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगी ताकि हवा की गुणवत्ता फिर से 'गंभीर' (Severe) श्रेणी में न पहुंच जाए। सभी एजेंसियों को सख्त निगरानी रखने और स्टेज-I और II के उपायों को और तेज करने के निर्देश दिए गए हैं।

## शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल को बड़ी राहत, दो मामलों में बरी

नई दिल्ली । कथित शराब घोटाले से जुड़े दो केस में आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल को राहत मिल गई है। समन को दरकिनार किए जाने की वजह से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से दर्ज किए गए मुकदमों में दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व मुख्यमंत्री को बरी कर दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट में एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (ACJM) पारस दलाल ने गुरुवार को आदेश पारित किया। विस्तृत आदेश का इंतजार है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट (पीएमएल) की धारा 50 के तहत दिए गए समन को दरकिनार किए जाने पर फरवरी 2024 में ईडी ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

## जी-राम-जी योजना पर राहुल गांधी के बयान से सियासी घमासान, BJP ने साधा निशाना

नई दिल्ली । मनरेगा के बदले जी-राम-जी योजना लेकर आई केंद्र सरकार को इन दिनों लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के तीखे हमलों का सामना करना पड़ रहा है। राहुल गांधी ने जी-राम-जी योजना के आलोचकों से एकजुट होकर भाजपा के इस कानून का विरोध करने की अपील की है। इतना ही नहीं, इस योजना को लेकर राहुल गांधी ने यहां तक कह दिया कि उन्हें इसके नाम की जानकारी नहीं है और उन्हें नहीं पता कि आखिर यह 'जी-राम-जी' क्या है। राहुल गांधी के इस बयान के सामने आते ही भारतीय जनता पार्टी आक्रामक हो गई और उन्हें भगवान राम का विरोधी करार दिया। भाजपा नेताओं का कहना है कि इस योजना में महात्मा गांधी के नाम के साथ भगवान राम का नाम जोड़ा गया है, और इसी वजह से कांग्रेस को इससे परेशानी हो रही है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी कांग्रेस की राम और सनातन विरोधी मानसिकता को उजागर करती है।

**मनरेगा बनाम जी-राम-जी: क्या बोले राहुल गांधी**

जी-राम-जी योजना की शुरुआत से ही कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। दिल्ली के जवाहर भवन में आयोजित एक सम्मेलन में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, "यूपीए सरकार के समय लाई गई मनरेगा योजना ने हर गरीब को रोजगार का अधिकार दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अधिकार को खत्म करना चाहते हैं।" राहुल गांधी ने कहा कि सरकार मनरेगा को कमजोर कर रही है और उसके स्थान पर नई योजना लाई जा रही है, जिससे गरीबों के हक पर असर पड़ेगा। कांग्रेस का आरोप है कि यह योजना मनरेगा के मूल उद्देश्य को कमजोर करती है।

**एकजुट होने पर सरकार को पीछे हटना पड़ेगा: राहुल**

राहुल गांधी ने 2020 में संसद से पारित कृषि कानूनों का जिक्र करते हुए कहा, "कुछ समय पहले किसानों ने सरकार को काले कृषि कानून वापस लेने पर मजबूर कर दिया था। अगर हम एक हो जाएं, तो ये कायर हैं, मोदी जी पीछे हट जाएंगे और मनरेगा फिर से शुरू होगी।" राहुल के साथ मंच पर मौजूद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी जी-राम-जी योजना को महात्मा गांधी की सार्वजनिक स्मृति को मिटाने की कोशिश बताया।

गौरतलब है कि राहुल गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई है, जब विपक्ष जी-राम-जी योजना को लेकर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी इस योजना के खिलाफ विरोध के संकेत मिले हैं। कर्नाटक विधानसभा में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने राज्य सरकार के उस भाषण को पढ़ने से इनकार कर दिया, जिसमें जी-राम-जी योजना की आलोचना की गई थी। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी कहा है कि उनकी सरकार इसी तरह का एक प्रस्ताव लाएगी।

## बिहार में वीआईपी सुरक्षा में बड़ा फेरबदल

बिहार। बिहार में वीआईपी नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों के नए खतरे के आकलन के बाद कई नेताओं की सुरक्षा बढ़ाई गई है, जबकि कुछ की सुरक्षा घटा या पूरी तरह हटा दी गई है। सबसे अहम बदलाव नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा को लेकर हुआ है। उनकी सुरक्षा Z श्रेणी से घटाकर अब Y श्रेणी कर दी गई है। वहीं बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन को Z श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। नितिन नवीन 20 जनवरी 2026 को निर्विरोध रूप से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री और जदयू सांसद ललन सिंह तथा बिहार के स्वास्थ्य मंत्री और बीजेपी नेता मंगल पांडेय को भी Z श्रेणी की सुरक्षा मिली है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को भी Z कैटेगरी में शामिल किया गया है। वहीं कांग्रेस नेता मदन मोहन झा, प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार और आरजेडी नेता उदय नारायण चौधरी की Y श्रेणी की सुरक्षा पूरी तरह हटा ली गई है। इस फैसले को विधानसभा चुनाव 2025 के बाद बदले राजनीतिक हालात से जोड़कर देखा जा रहा है।

## डोडा में सेना की गाड़ी खाई में गिरी, 10 जवान शहीद, 3 की हालत गंभीर

जम्मू-कश्मीर/डोडा। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार (22 जनवरी 2026) को बड़ा हादसा हो गया। खन्नीटॉप इलाके में जवानों से भरी सेना की एक गाड़ी खाई में गिर गई। इस दर्दनाक हादसे में 10 जवानों की जान चली गई, जबकि 3 सैनिक गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। वाहन में कुल 17 जवान सवार थे। हादसे के बाद सेना और पुलिस ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

**200 फीट गहरी खाई में गिरी सेना की कैस्पर गाड़ी**

सेना की यह कैस्पर गाड़ी डोडा के भद्रवाह–चंबा रोड पर जा रही थी। बताया जा रहा है कि सड़क की हालत पहले से ही काफी खराब थी। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर करीब 200 फीट गहरी खाई में जा गिरा। हादसे की सूचना मिलते ही सेना, पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया। जवानों को खाई से निकालने के लिए रेस्क्यू टीमें तेजी से काम कर रही हैं। घायलों को घटनास्थल से निकालकर नजदीकी मेडिकल कैंप ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल तीन जवानों को बेहतर इलाज के लिए उधमपुर स्थित सेना अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के कारण इलाके में शोक का माहौल है।

**पहले भी हो चुके हैं ऐसे दर्दनाक हादसे**

इससे पहले 4 मई 2025 को जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले के बैटरी चश्मा इलाके में सेना का एक वाहन 600 मीटर गहरी खाई में गिर गया था। उस हादसे में 3 जवानों की मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई थी। सेना का वाहन जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले का हिस्सा था। ड्राइवर के नियंत्रण खोने के बाद यह दुर्घटना हुई थी। इसके अलावा 24 दिसंबर को पुंछ जिले में भी एक आर्मी वैन 350 फीट गहरी खाई में गिर गई थी। वैन में 18 जवान सवार थे, जिनमें से 5 की मौत हो गई थी। हादसे में शामिल सभी जवान 11 मराठा रेजिमेंट के थे। सेना के अनुसार, काफिला ऑपरेशनल ट्रैक से होते हुए बनोई इलाके की ओर जा रहा था, तभी ड्राइवर का संतुलन बिगड़ने से वाहन खाई में गिर गया।

## यूपी में 2027 चुनाव से पहले गठबंधन की चर्चा तेज

यूपी। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी हलचल अभी से तेज हो गई है। चुनाव भले ही दूर हों, लेकिन संभावित गठबंधनों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो चुका है। इन्हीं अटकलों के बीच यह सवाल उठने लगा कि क्या समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव और ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी भविष्य में हाथ मिला सकते हैं। हालांकि इस चर्चा पर सपा महासचिव और अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव ने साफ शब्दों में विराम लगा दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी को AIMIM की कोई जरूरत नहीं है और सपा जब-जब सत्ता में आई है, अपने दम पर आई है। शिवपाल यादव के इस बयान को सियासी हलकों में अहम माना जा रहा है, क्योंकि यह सीधे तौर पर किसी भी संभावित गठबंधन की संभावना को खारिज करता नजर आया।

**शिवपाल यादव के बयान पर AIMIM का तीखा पलटवार**

शिवपाल यादव के बयान के बाद AIMIM की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। पार्टी के प्रवक्ता शादाब चौहान ने कहा कि शिवपाल यादव का बयान उनके अहंकार और मुसलमानों के प्रति उनकी मानसिकता को उजागर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा नेतृत्व यह मानकर चलता है कि प्रदेश का करीब 20 प्रतिशत मुसलमान उनका "सियासी गुलाम" है, जिसे डर दिखाकर या मजबूरी में वोट दिलवाया जा सकता है। शादाब चौहान ने कहा कि मुसलमानों को वोट डालने वाली "रोबोट मशीन" समझना अब पुरानी सोच हो चुकी है। उनके मुताबिक, अब मुस्लिम समाज अपने राजनीतिक फैसले खुद करेगा और किसी के दबाव या डर में नहीं आएगा। AIMIM प्रवक्ता ने यह भी कहा कि शिवपाल यादव का बयान इस बात का संकेत है कि सपा नेतृत्व को बदलती सियासी हकीकत स्वीकार करने में दिक्कत हो रही है।

**ओवैसी की बढ़ती लोकप्रियता और AIMIM का दावा**

AIMIM प्रवक्ता शादाब चौहान ने दावा किया कि असदुद्दीन ओवैसी की बढ़ती लोकप्रियता के चलते ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने कहा कि AIMIM के विधायक और कार्यकर्ता मानते हैं कि पार्टी यूपी में एक "बिग की प्लेयर" के तौर पर उभर कर सामने आई है। शादाब चौहान ने यह भी कहा कि AIMIM का गठबंधन किसी पार्टी से नहीं, बल्कि यूपी की जनता से हो चुका है। उनका दावा है कि AIMIM का मकसद बीजेपी को हराना है और पार्टी इस दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने शिवपाल यादव और अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि अगर सपा नेतृत्व को इतना ही भरोसा है, तो 2027 में मुस्लिम समाज के बिना 100 से ज्यादा सीटें जीतकर दिखाए। उन्होंने अंत में कहा कि यूपी का मुसलमान अब "दरी बिछाने वाला" नहीं रहेगा, बल्कि अपने लिए कुर्सी लगाएगा और उस पर गर्व से बैठेगा। AIMIM के इस आक्रामक बयान के बाद साफ है कि 2027 से पहले यूपी की सियासत और ज्यादा तीखी होने वाली है।

## ग्रीनलैंड मुद्दे पर ट्रंप के बदले तेवर, यूरोपीय देशों पर टैरिफ से अमेरिका पीछे हटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका फिलहाल ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी से पीछे हट गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह फैसला उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रुटे के साथ आर्कटिक सुरक्षा को लेकर भविष्य के समझौते के एक ढांचे पर सहमति बनने के बाद लिया। ट्रंप ने संकेत दिए कि ग्रीनलैंड को लेकर अब सैन्य दबाव या व्यापार युद्ध की बजाय बातचीत के रास्ते को तरजीह दी जाएगी।

**नाटो महासचिव से मुलाकात के बाद टैरिफ न लगाने का ऐलान**

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "अगर यह समझौता पूरा होता है, तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका और सभी नाटो देशों के लिए बहुत अच्छा होगा। इसी समझ के आधार पर मैं पहली फरवरी से लागू होने वाले टैरिफ नहीं लगाऊंगा।" ट्रंप ने यह बात नाटो महासचिव के साथ बैठक के बाद अपने ट्रुथ सोशल पोस्ट में कही। सीएनबीसी को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और नाटो देशों के बीच एक व्यापक समझ का ढांचा तैयार हो चुका है। उन्होंने कहा, "हम आर्कटिक और ग्रीनलैंड के मुद्दे पर एक साथ काम करेंगे। इसका संबंध मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और साझा हितों से है।" ट्रंप ने इसे अमेरिका और यूरोपीय साझेदारों, दोनों के लिए फायदेमंद सौदा बताया।

**1951 के समझौते से आगे बढ़ेगी सुरक्षा, रूस-चीन पर रहेगी नजर**

वाशिंगटन के दो राजनयिक सूत्रों के मुताबिक, यह कदम 1951 के अमेरिकी समझौते से आगे बढ़कर ग्रीनलैंड की सुरक्षा को मजबूत करेगा। इसका मकसद रूस और चीन को इस रणनीतिक क्षेत्र में आर्थिक या सैन्य रूप से पैर जमाने से रोकना है। नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने कहा कि ट्रंप और महासचिव की बैठक काफी सार्थक रही है और अब डेनमार्क, ग्रीनलैंड और अमेरिका के बीच बातचीत आगे बढ़ेगी।

**डेनमार्क ने ली राहत की सांस, व्यापार युद्ध टलने का स्वागत**

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने बयान जारी कर कहा कि "दिन बेहतर तरीके से खत्म हो रहा है।" उन्होंने कहा कि ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड को जबरदस्ती लेने से इनकार करने और यूरोप के साथ व्यापार युद्ध रोकने के फैसले का स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब बातचीत के जरिए आर्कटिक में अमेरिकी सुरक्षा चिंताओं का समाधान खोजा जाएगा, बशर्ते डेनमार्क की रेड लाइंस का सम्मान किया जाए। गौरतलब है कि इससे कुछ दिन पहले ट्रंप ने आठ यूरोपीय देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी दी थी, जिसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाने की बात कही गई थी। इस धमकी से यूरोपीय राजधानियों में चिंता बढ़ गई थी, लेकिन अब फिलहाल इस कदम से राहत मिलती दिख रही है।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय....

### भारत–ईयू साझेदारी: वैश्विक व्यापार और रणनीतिक संतुलन का नया संदेश

ईयू से भारत की दोस्ती का संदेश आज की वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था में बेहद दूरगामी मायने रखता है। 27 देशों का समूह, करीब 22.5 ट्रिलियन डॉलर की संयुक्त जीडीपी, 46 करोड़ से अधिक आबादी और लगभग 49 हजार डॉलर की प्रति व्यक्ति आय वाला यूरोपीय संघ दुनिया के सबसे मजबूत और प्रभावशाली संगठनों में शुमार है। चीन और भारत की तुलना में यह प्रति व्यक्ति आय क्रमशः चार और सत्रह गुना अधिक है, जो ईयू की आर्थिक ताकत को साफ तौर पर दर्शाती है। ऐसे संगठन की सबसे शक्तिशाली नेता और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत यात्रा से पहले यह कहना कि भारत के साथ होने वाली डील दुनिया की एक-चौथाई आबादी के लाभ से जुड़ी होगी, किसी औपचारिक या सामान्य कूटनीतिक बयान से कहीं आगे की बात है। करीब 19 वर्षों से भारत-ईयू ट्रेड डील अलग-अलग राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक कारणों से अधर में लटकी हुई थी। कभी बाजार पहुंच को लेकर मतभेद रहे, तो कभी पर्यावरण और श्रम मानकों को लेकर खींचतान चलती रही। लेकिन अब हालात बदलते दिख रहे हैं और यह डील साकार होने की ओर बढ़ रही है। यह केवल व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में भारत और यूरोप के साझा हितों की अभिव्यक्ति भी है। इस डील के जरिए दोनों पक्षों को पारस्परिक आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। भारत को जहां यूरोपीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिलेगी, वहीं ईयू को तेजी से बढ़ते भारतीय मध्यम वर्ग में बड़े अवसर नजर आ रहे हैं। खासकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में यूरोपीय कंपनियों के लिए भारत एक विशाल और संभावनाओं से भरा बाजार है। इसके साथ ही भारत यूरोपीय देशों से रक्षा उपकरणों और हथियारों की खरीद भी लगातार बढ़ा रहा है, जिससे रणनीतिक साझेदारी और मजबूत होती जा रही है। हालांकि इस समझौते की राह में सबसे बड़ी बाधा कार्बन फुटप्रिंट को लेकर ईयू की सख्त शर्तें रही हैं। यूरोपीय संघ का जोर रहा है कि आयातित उत्पाद पर्यावरण के लिहाज से तय मानकों पर खरे उतरें। यह शर्तें भारत जैसे विकासशील देश के इस्पात और एल्यूमीनियम उद्योगों के लिए चुनौती बन गई थीं। इसके बावजूद भारत ने नेट जीरो के लक्ष्य की दिशा में यथासंभव ईमानदार कोशिशें की हैं। वन-विस्तार, सौर और पवन ऊर्जा जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और ऊर्जा दक्षता पर जोर देना इसी का हिस्सा है। अब संकेत मिल रहे हैं कि ईयू ने भी इन शर्तों में कुछ लचीलापन दिखाया है, जिससे डील को अंतिम रूप देना आसान हो सकता है। इस समझौते का एक बड़ा संदेश अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रामक व्यापार नीति के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। यह साफ संकेत है कि दुनिया की एक-चौथाई आबादी आपस में मिलकर विकल्प तैयार कर रही है और दबाव की राजनीति के आगे झुकने को तैयार नहीं है। साथ ही यह डील वैश्विक व्यापार में चीन के बढ़ते दबदबे का संतुलन बनाने का भी प्रयास है।

# ट्रम्प के कार्यकाल के निर्णायक साल, वेनेजुएला संकट और बदलती वैश्विक राजनीति में अमेरिका की भूमिका पर बड़ा सवाल

## -मागा आंदोलन, हिस्पैनिक राजनीति और 1945 के बाद बनी विश्व-व्यवस्था पर बढ़ता दबाव

दुनिया इस समय जिस दौर से गुजर रही है, वह केवल सत्ता परिवर्तन या किसी एक देश की राजनीति तक सीमित नहीं है। यह वह समय है जब वैश्विक शक्ति-संतुलन, अंतरराष्ट्रीय क़ानून, लोकतंत्र की परिभाषा और महाशक्तियों की भूमिका—सब कुछ एक साथ सवालों के घेरे में है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का मौजूदा कार्यकाल और उसके बाकी बचे साल दुनिया के भविष्य के लिए असाधारण रूप से अहम हो गए हैं। तेजी से बदलते वैश्विक समीकरणों को समझने के लिए वेनेजुएला का उदाहरण बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह मामला केवल लैटिन अमेरिका का नहीं, बल्कि 1945 के बाद बनी अंतरराष्ट्रीय विश्व-व्यवस्था की आत्मा से जुड़ा हुआ है।

**वेनेजुएला: एक स्थिर लोकतंत्र से तानाशाही की ओर**

1958 से 1998 के बीच वेनेजुएला लैटिन अमेरिका के उन गिने-चुने देशों में शामिल था, जिन्हें स्थिर लोकतंत्र माना जाता था। उस दौर में पूरे क्षेत्र में सिर्फ तीन देश ऐसे थे—वेनेजुएला, कोस्टा रीका और कोलम्बिया—जहाँ लोकतांत्रिक संस्थान अपेक्षाकृत मज़बूत थे। लेकिन 1999 में हालात बदलने लगे। पूर्व सैन्य अधिकारी ह्गो चावेज के राष्ट्रपति बनने के साथ ही वेनेजुएला में लोकतंत्र धीरे-धीरे कमजोर होने लगा। शुरुआत में चावेज को गरीबों का मसीहा और अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ खड़ा नेता माना गया, लेकिन वक्त के साथ उनकी सरकार ने संस्थानों को कमजोर करना शुरू कर दिया। मीडिया की आज़ादी पर सख्त पाबंदियाँ लगीं, न्यायपालिका पर दबाव बढ़ा और चुनावी कानूनों में ऐसे बदलाव किए गए, जिनसे सत्ता में बैठे लोगों को फायदा पहुंचे। लोकतंत्र की शक्ल तो बनी रही, लेकिन उसकी रूह धीरे-धीरे खोती चली गई।

**चावेज के बाद मादुरो और 'चुनावों' का संकट**

2013 में ह्गो चावेज की मौत के बाद उनके उत्तराधिकारी निकोलस मादुरो सत्ता में आए। मादुरो के दौर में हालात और ज्यादा बिगड़ते चले गए। आर्थिक बदहाली, महंगाई, बेरोज़गारी और खाद्य संकट ने आम नागरिकों की ज़िंदगी मुश्किल कर दी। 2024 में मादुरो तीसरी बार 'चुनाव' जीतकर सत्ता में बने। लेकिन अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और स्वतंत्र रिपोर्टों के अनुसार, इस चुनाव में भारी धांधली हुई थी। आम सहमति यह थी कि असली विजेता विपक्षी उम्मीदवार था, लेकिन सत्ता संरचना इतनी नियंत्रित हो चुकी थी कि नतीजों को बदला जा सका।

**अमेरिकी हस्तक्षेप: गिरफ्तारी, लेकिन अधूरा सत्ता परिवर्तन**

इस पृष्ठभूमि में अमेरिका ने एक बड़ा और चौंकाने वाला कदम उठाया। अमेरिकी सेना ने निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना अपने आप में अभूतपूर्व थी, क्योंकि किसी संप्रभु देश के मौजूदा राष्ट्रपति की इस तरह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बहुत कम देखी गई है। हालाँकि, अमेरिका ने 2024 के चुनाव के घोषित विजेता को सत्ता में नहीं बैठाया। इसके बजाय मादुरो की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज को कार्यवाहक राष्ट्रपति बना दिया गया और प्रशासनिक ढांचा लगभग वैसा ही रहने दिया गया। इसलिए यह बांग्लादेश या किसी पूर्ण सत्ता परिवर्तन जैसा मामला नहीं था। यह एक अधूरा, अस्पष्ट और अस्थिर हस्तक्षेप था।

**ट्रम्प, मार्को रूबियो और 'मिशन वेनेजुएला'**

डोनाल्ड ट्रम्प और सीनेटर मार्को रूबियो लंबे समय से मादुरो सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए थे। उनके लिए यह एक सैन्य और राजनीतिक लक्ष्य था—मादुरो को हटाना। इस लक्ष्य में वे सफल भी रहे। लेकिन असली सवाल यह है कि उसके बाद क्या? आमतौर पर किसी शासक को हटाना अपेक्षाकृत आसान होता है, लेकिन संस्थानों को दोबारा खड़ा करना, कानून-व्यवस्था बहाल करना और अराजकता से बचाना कहीं ज्यादा मुश्किल होता है। वेनेजुएला में यही सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

**मागा आंदोलन और हिस्पैनिक चिंता**

इस पूरे घटनाक्रम का एक अहम पहलू अमेरिका की घरेलू राजनीति से जुड़ा है—मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (MAGA) आंदोलन। यह आंदोलन ट्रम्प की राजनीतिक ताकत का सबसे बड़ा आधार है। भारत और भारतीय-अमेरिकी समुदाय में H-1B वीज़ा को लेकर मागा का विरोध काफी चर्चित रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि भारतीय इमिग्रेशन का मुद्दा, हिस्पैनिक इमिग्रेशन के मुकाबले बहुत छोटा है। भारतीय-अमेरिकियों की संख्या लगभग 50 लाख मानी जाती है, जबकि हिस्पैनिक आबादी करीब 6.8 करोड़ है। आज अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा हिस्पैनिक या लैटिनो है। यानी हर पाँचवाँ अमेरिकी हिस्पैनिक है।

**जनसांख्यिकी और सत्ता की राजनीति**

हिस्पैनिक समुदाय अब अमेरिका का सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समूह बन चुका है, जिसने अफ्रीकी-अमेरिकियों को भी पीछे छोड़ दिया है। 1965 के बाद हुए इमिग्रेशन सुधारों का सबसे ज्यादा फायदा इसी समुदाय को मिला। टेक्सास, न्यू मैक्सिको, एरिज़ोना और कैलिफ़ोर्निया जैसे राज्यों में हिस्पैनिक आबादी 30–35 प्रतिशत से अधिक है। फ्लोरिडा, न्यूयॉर्क और इलिनॉय में यह लगभग 20 प्रतिशत है। यह बदलाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं है। यह अमेरिका की राजनीति, संस्कृति और सत्ता-संरचना को सीधे प्रभावित कर रहा है।

**संस्कृति में जगह, लेकिन राजनीति में शक**

हिस्पैनिक समुदाय ने अमेरिकी सांस्कृतिक मुख्यधारा में भी अपनी मजबूत जगह बनाई है। हॉलीवुड की फिल्में जैसे स्टैंड एंड डिलीवर (1988) और सेलेना (1997) हिस्पैनिक जीवन को केंद्र में रखती हैं। नो कंट्री फॉर ओल्ड मेन (2007) जैसी फिल्मों ने ऑस्कर तक जीते। लेकिन मागा आंदोलन के लिए सांस्कृतिक योगदान मायने नहीं रखता। उसकी सबसे बड़ी चिंता है—हिस्पैनिक आबादी का तेज़ी से बढ़ना और कई राज्यों में श्वेत बहुमत का कमजोर होना।

**अपराध, ड्रग्स और एक खतरनाक नैरेटिव**

मागा आंदोलन ने लगातार हिस्पैनिक लोगों को अपराध, ड्रग्स और नशीले पदार्थों की तस्करी से जोड़कर पेश किया है। यही नैरेटिव वेनेजुएला के मामले में भी दिखता है। मादुरो पर ड्रग तस्करी के आरोप लगाए गए और इसी आधार पर उन्हें अमेरिकी अदालतों के दायरे में लाया गया। ट्रम्प ने अपने हस्तक्षेप की दलील में वेनेजुएला के विशाल लेकिन कम इस्तेमाल हो रहे तेल भंडारों का भी ज़िक्र किया। हालाँकि, तेल से ज्यादा गहरे सांस्कृतिक और इमिग्रेशन से जुड़े मुद्दे इस पूरे फैसले के पीछे दिखाई देते हैं।

**1945 के बाद की विश्व-व्यवस्था पर चोट?**

अब सवाल उठता है—क्या किसी तानाशाह को बाहरी ताकत द्वारा सीधे हटाया और गिरफ्तार किया जा सकता है? क्या वेनेजुएला में किया गया हस्तक्षेप अंतरराष्ट्रीय कानून और विश्व-व्यवस्था को गंभीर रूप से कमजोर करता है? इसका जवाब अमेरिका और लैटिन अमेरिका के ऐतिहासिक रिश्तों को समझे बिना नहीं दिया जा सकता। 1823 की मुनरो डॉक्ट्रिन से लेकर आज तक अमेरिका ने बार-बार लैटिन अमेरिकी राजनीति में दखल दिया है। 1945 से पहले की दुनिया प्रभाव क्षेत्रों और साम्राज्यवादी सोच पर आधारित थी।

**1945 के बाद भी हस्तक्षेप की कहानी**

यह मान लेना गलत होगा कि 1945 के बाद अमेरिका ने ऐसा करना बंद कर दिया। चिली के मार्क्सवादी राष्ट्रपति साल्वादोर अयेंदे को 1973 में हटाया गया। पनामा के मैनुअल नोरिएगा को 1989 में गिरफ्तार कर अमेरिका लाया गया—ठीक वैसे ही जैसे मादुरो को। नोरिएगा पर भी ड्रग तस्करी के आरोप लगे, मुकदमा चला और सजा हुई। इसलिए वेनेजुएला का मामला कोई अनोखा अपवाद नहीं है।

# क्या भारतीय मुसलमान पारंपरिक पार्टियों से मोहभंग के बाद ओवैसी और एआईएमआईएम को नया सियासी विकल्प मान रहे हैं

## -नगरीय चुनाव नतीजों, मुस्लिम असंतोष और बदलते सियासी समीकरणों में ओवैसी की बढ़ती भूमिका का विश्लेषण

भारतीय राजनीति में मुसलमानों की भूमिका हमेशा से निर्णायक रही है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह सवाल लगातार गहराता जा रहा है कि क्या मुसलमान मतदाता उन राजनीतिक दलों से निराश हो चुके हैं, जिन्हें अब तक वे अपना स्वाभाविक सियासी ठिकाना मानते थे। इसी पृष्ठभूमि में असदुद्दीन ओवैसी और उनकी पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है। जिन ओवैसी को कभी भाजपा की 'बी-टीम' या मुसलमानों के वोट काटने वाले नेता के तौर पर देखा जाता था, आज वही ओवैसी राजनीति को प्रभावित करने वाली एक संभावित ताकत के रूप में चर्चा में हैं। यह बदलाव अचानक नहीं है, लेकिन महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनावों के नतीजों ने इस बहस को नई धार जरूर दे दी है। इन चुनावों में एआईएमआईएम के प्रदर्शन ने आज़ादी के बाद पहली बार इस तरह की संभावना को जन्म दिया है कि आने वाले समय में भारत के मुसलमान सिर्फ़ सेक्युलर या गैर-मुस्लिम नेतृत्व वाली पार्टियों तक सीमित न रहकर, एक मुसलमान नेता की पार्टी को भी खुलकर वोट देने के बारे में सोच सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो इसका असर केवल चुनावी नतीजों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उत्तर भारत समेत पूरे देश की राजनीति की धुरी ही बदल सकती है।

**उत्तर भारत की राजनीति पर संभावित असर**

अगर मुसलमान मतदाता बड़े पैमाने पर ओवैसी की पार्टी की ओर रुख करते हैं, तो सबसे बड़ा झटका उत्तर भारत की उन पार्टियों को लगेगा, जिन्होंने दशकों से मुस्लिम-यादव या मुस्लिम-दलित समीकरण के सहारे अपनी राजनीति खड़ी की है। उत्तर प्रदेश और बिहार में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय जनता दल जैसी पार्टियों का जो मज़बूत मुस्लिम आधार रहा है, उसमें दरार पड़ सकती है। कांग्रेस की स्थिति भी इससे अछूती नहीं रहेगी। आज़ादी के बाद लंबे समय तक कांग्रेस को मुसलमानों की सबसे बड़ी राजनीतिक संरक्षक पार्टी माना जाता रहा है। आज भी बिहार और उत्तर प्रदेश के बाहर कांग्रेस को मुसलमानों का जो लगभग 35 से 37 फ़ीसदी समर्थन मिलता है, उसमें भारी गिरावट आ सकती है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी, जो हाल के वर्षों में मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा अपने साथ जोड़ने में सफल रही है, वह भी कमजोर पड़ सकती है। वहीं पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को मिलने वाले लगभग 27 फ़ीसदी मुस्लिम वोटों में भी बड़ी कटौती की आशंका जताई जा रही है। अगर इन सभी संभावनाओं को एक साथ रखकर देखा जाए, तो भारतीय राजनीति में एक ऐसा दृश्य उभरता दिखाई देता है, जो आज़ादी से पहले के दौर की याद दिलाता है। उस समय एक ओर कांग्रेस थी, जिसे मुस्लिम लीग के नेता 'हिंदू पार्टी' कहा करते थे, और दूसरी ओर मुस्लिम लीग थी, जो मुसलमानों की नुमाइंदगी का दावा करती थी। फर्क बस इतना होगा कि आज कांग्रेस की जगह हिंदू राष्ट्रवाद की पैरोकारी करने वाली भाजपा होगी। भारत की मौजूदा धार्मिक जनसंख्या संरचना को देखते हुए सवाल उठता है कि क्या भाजपा के लिए इससे ज़्यादा फायदेमंद कोई और सियासी स्थिति हो सकती है?

**क्या यह आकलन जल्दबाज़ी है?**

हालांकि इस पूरे विश्लेषण पर पहुंचते वक्त सावधानी बरतना ज़रूरी है। यह मान लेना कि ओवैसी पूरे देश के मुसलमानों के निर्विवाद नेता बनते जा रहे हैं, फिलहाल जल्दबाज़ी होगी। अभी तक ओवैसी की अपील मुख्य रूप से शहरी और अर्ध-शहरी मुसलमानों तक ही सीमित दिखती है। ग्रामीण इलाकों में रहने वाले मुसलमानों के बीच उनकी पकड़ उतनी मज़बूत नहीं दिखाई देती। इसके अलावा, एआईएमआईएम का प्रभाव अभी केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सीमित है। पहला इलाका है हैदराबाद का पुराना शहर, जहां से इस पार्टी की राजनीति की शुरुआत हुई। ओवैसी के पिता सुल्तान सलाहुद्दीन ओवैसी ने 1967 में एआईएमआईएम की स्थापना की थी और तभी से यह इलाका पार्टी का मज़बूत गढ़ रहा है। दूसरा क्षेत्र बिहार का सीमांचल इलाका है। यहां एआईएमआईएम ने पिछले दो विधानसभा चुनावों में चौंकाने वाला प्रदर्शन किया और महागठबंधन को सीधा नुकसान पहुंचाया। सीमांचल में मुसलमानों की बड़ी आबादी है और विकास, शिक्षा तथा पहचान के सवाल लंबे समय से यहां के लोगों को परेशान करते रहे हैं। ओवैसी ने इन्हीं मुद्दों को आक्रामक तरीके से उठाकर अपनी जगह बनाई। तीसरा क्षेत्र महाराष्ट्र के कुछ नगर निगम हैं, जहां हालिया चुनावों में एआईएमआईएम ने न सिर्फ़ भाजपा को सीधी टक्कर दी, बल्कि शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पीछे छोड़ दिया। कुछ जगहों पर वह उद्धव ठाकरे की शिवसेना से भी थोड़े ही अंतर से पीछे रही। इन क्षेत्रों के बाहर एआईएमआईएम की स्थिति अभी भी कमजोर है। कई राज्यों में यह पार्टी मुख्यतः भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा पहुंचाती हुई दिखाई देती है। उदाहरण के तौर पर दिल्ली विधानसभा चुनाव में 40 फ़ीसदी मुसलमान आबादी वाले मुस्तफाबाद क्षेत्र में एआईएमआईएम की मौजूदगी ने भाजपा के उम्मीदवार को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उत्तर प्रदेश में भी पार्टी ने सात ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे, जहां उसे भाजपा के जीत के अंतर से ज़्यादा वोट मिले।

**अंतरराष्ट्रीय मंच और ओवैसी की छवि**

हालांकि आंकड़े अभी एआईएमआईएम के राष्ट्रीय स्तर पर उभार का ठोस प्रमाण नहीं देते, लेकिन राजनीतिक घटनाक्रम ओवैसी के पक्ष में माहौल ज़रूर बना रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत सरकार ने दुनिया भर में जो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजे, उनमें से एक में ओवैसी को शामिल किया गया। इस कदम ने ओवैसी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को भारतीय मुसलमानों के एक प्रमुख प्रतिनिधि चेहरे के तौर पर पेश करने का अवसर दिया। घरेलू राजनीति में यह संदेश गया कि सरकार भी उन्हें नज़रअंदाज़ नहीं कर सकती। इससे ओवैसी की साख में इज़ाफ़ा हुआ और उनके समर्थकों को यह कहने का मौका मिला कि वह सिर्फ़ विरोध की राजनीति नहीं करते, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपनी भूमिका निभाने में सक्षम हैं।

# एआई से बदलता सिनेमा: शॉर्ट फिल्मों की शुरुआत, विज्ञापन की क्रांति और रचनात्मक उद्योगों के भविष्य पर बड़ा खतरा

## -आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कैसे फिल्म, विज्ञापन, संगीत और लेखन की दुनिया को जड़ से बदल रहा है

फिल्म बनाने के तरीकों को पूरी तरह बदल देने वाली तकनीक अब हमारे सामने है—आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई। यह कोई दूर का भविष्य नहीं, बल्कि वर्तमान की हकीकत बन चुकी है। मैं अपने जीवन का बड़ा हिस्सा शोध, पत्रकारिता और डॉक्यूमेंट्री फ़िल्मों में बिता चुका हूँ। साहित्य और सिनेमा से मेरा रिश्ता गहरा रहा है। कृतिकारों, लेखकों और कलाकारों के प्रति मेरी गहरी हमदर्दी है। लेकिन पिछले तीन वर्षों से मैं एआई में निवेशक और वेंचर कैपिटलिस्ट भी हूँ। इसी दोहरे अनुभव ने मुझे यह समझ दी है कि जो संदेश आज रचनात्मक उद्योगों से जुड़े लोगों तक पहुँचना चाहिए, वह बेहद अहम है—अगर आपने एआई की क्षमता को नज़रअंदाज़ किया, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

**पहले से दबाव में था फिल्म उद्योग**

फिल्म उद्योग पिछले कई वर्षों से सिमट रहा है। इसके पीछे कई वजहें हैं। मीडिया डिलीवरी के नए माध्यम—जैसे स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म—ने दर्शकों की आदतें बदल दीं। इंटरनेट, लैपटॉप और स्मार्टफोन ने कंटेंट को हर जेब में पहुँचा दिया। केबल टीवी और डीवीडी का पतन किसी एक कारण का नतीजा नहीं था, बल्कि कई फैक्टर्स का मेल था—वीडियो स्ट्रीमिंग का तेज़ प्रसार, यूज़र-जेनरेटेड कंटेंट की बाढ़, सस्ते कैमरे और सॉफ़्टवेयर के ज़रिये रचना का लोकतंत्रीकरण, और यूट्यूब, फ़ेसबुक व टिकटॉक जैसे प्लेटफ़ॉर्म्स पर दर्शकों के अटेंशन के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा। इन सबके बावजूद एक बात लगभग स्थिर रही—वीडियो निर्माण की बुनियादी तकनीक। फ़िल्में अब भी असली कैमरों से, असली लोकेशनों पर, असली लोगों और असली चीज़ों के साथ शूट होती थीं। तकनीक बदली, वितरण बदला, लेकिन निर्माण की आत्मा वही रही।

**अब बदलने जा रहा है निर्माण का मूल ढांचा**

यहीं पर एआई एक निर्णायक मोड़ लेकर आता है। बहुत जल्द वास्तविक दुनिया के ये सभी इनपुट—कैमरा, लोकेशन, कलाकार—अप्रासंगिक होते जा सकते हैं। उनकी जगह एआई ले लेगा। यह बदलाव क्रमिक नहीं होगा, बल्कि अचानक और तेज़ होगा। इस नई दुनिया के अग्रदूत वे स्टार्टअप्स हैं, जिनमें से कई एक साल से भी कम पुराने हैं, लेकिन उनकी रफ्तार पारंपरिक स्टूडियो सिस्टम से कहीं ज़्यादा तेज़ है।

**एआई से बनी शॉर्ट फिल्मों की शुरुआत**

2020 में स्थापित यूक्रेनी स्टार्टअप होलीवॉटर (Holywater) इसका बड़ा उदाहरण है। यह प्लेटफ़ॉर्म किसी को भी वर्टिकल यानी मोबाइल-फ्रेंडली शॉर्ट फ़िल्में बनाने की सुविधा देता है। इसकी खासियत यह है कि यह एआई की मदद से पहले बड़ी संख्या में टेक्स्ट कहानियाँ तैयार करता है। फिर देखा जाता है कि कौन-सी कहानी दर्शकों में लोकप्रिय हो रही है। वही लोकप्रियता आगे फ़िल्म निर्माण की दिशा तय करती है। नतीजा? होलीवॉटर का रेवेन्यू पहले ही 100 मिलियन डॉलर से अधिक पहुँच चुका है और यह सालाना दोगुने से भी ज़्यादा की रफ्तार से बढ़ रहा है। यह सिर्फ़ एक स्टार्टअप की सफलता नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि कंटेंट निर्माण का पूरा इकोसिस्टम बदल रहा है। इसी तरह 2024 में स्थापित वाइड वर्ड्स (Wide Words) प्रशंसकों को उनके पसंदीदा फैन-फ़िक्शन यूनिवर्स से सामग्री लेकर शॉर्ट फ़िल्में बनाने की सुविधा देता है। यानी अब दर्शक सिर्फ़ उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बन रहे हैं—वह भी बिना कैमरा उठाए।

**विज्ञापन उद्योग पर एआई की सीधी चोट**

600 अरब डॉलर का डिजिटल विज्ञापन उद्योग इस बदलाव की अगली कतार में खड़ा है। विज्ञापनों की दुनिया में एआई का अग्रणी स्टार्टअप हिग्सफील्ड (Higgsfield) 2023 में स्थापित हुआ था। लेकिन इसका कारोबार विस्फोटक गति से बढ़ा है। इसकी आमदनी हर महीने दोगुनी हो रही है और यह इसी साल 1 अरब डॉलर से अधिक के आंकड़े तक पहुँचने की राह पर है। एआई-जनरेटेड विज्ञापन सस्ते हैं, तेज़ हैं और बेहद कस्टमाइज़्ड हैं। ब्रांड अब अलग-अलग दर्शक समूहों के लिए अलग-अलग विज्ञापन मिनटों में बना सकते हैं—बिना शूट, बिना लोकेशन और बिना भारी प्रोडक्शन टीम के।

**क्या अभिनेता सचमुच गायब हो जाएंगे?**

लंबी और जटिल फ़िल्मों व सीरीज़ के लिए यह तकनीक अभी पूरी तरह तैयार नहीं है, लेकिन इसकी प्रगति बेहद तेज़ है। मौजूदा रफ्तार को देखते हुए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि एक दशक के भीतर अभिनेता ऐतिहासिक अवशेष बन सकते हैं। और सिर्फ़ अभिनेता ही नहीं—उनके साथ सिनेमैटोग्राफर, स्टंट कलाकार, आर्ट डायरेक्टर, कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर, लाइन प्रोड्यूसर और लोकेशन स्काउट भी। एआई न सिर्फ़ चेहरा बना सकता है, बल्कि लाइटिंग, कैमरा मूवमेंट, सेट डिज़ाइन और कॉस्ट्यूम तक तय कर सकता है।

**हॉलीवुड की खामोशी**

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि हॉलीवुड का बड़ा हिस्सा इस आसन्न सुनामी के सामने लगभग निष्क्रिय है। स्टूडियो, निर्माता, वितरक और एजेंसियाँ यह मानकर चल रही हैं कि एआई भी सीजीआई, डीवीडी या स्ट्रीमिंग की तरह एक और तकनीकी लहर होगी—जिस पर वे सवारी कर लेंगी। लेकिन यह सोच खतरनाक है। क्योंकि एआई सिर्फ़ टूल नहीं है, यह निर्माण की परिभाषा बदल रहा है।

**यूनियनों का डर और विरोध**

अभिनेताओं, लेखकों, आर्ट डायरेक्टरों और अन्य पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने वाली यूनियनें भयभीत हैं। उन्होंने एआई के हर इस्तेमाल का अंधाधुंध विरोध शुरू कर दिया है। उनकी चिंता जायज़ है। तकनीक इतनी तेज़ी से आगे बढ़ रही है कि वीडियो निर्माण से एआई-आधारित निर्माण की ओर संक्रमण बेहद क्रूर और बहुत तेज़ हो सकता है। यह बदलाव हजारों करियर और सैकड़ों कंपनियों को लगभग रातोंरात नष्ट कर सकता है। लेकिन केवल विरोध से इस लहर को रोका नहीं जा सकता।

# गरीब, महिला, युवा और किसान के कल्याण के लिए समर्पित हमारी सरकार - भजनलाल शर्मा

## -महिला और श्रमिकों को 1 हजार 590 करोड़ रुपये की दी सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान भारत की आत्मा है। जब किसान सशक्त होता है तो गांव, प्रदेश और देश प्रगति करता है। उन्होंने कहा किहम संकल्प पत्र में किए गए वादों को लगातार पूरा कर रहे हैं तथा हमारी सरकार किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 23 जनवरी(बसंत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्कल पर ग्राम उत्थान शिविरों को आयोजन किया जाएगा। उन्होंने किसानों एवं पशुपालकों से इन शिविरों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

शर्मा गुरूवार को सिरोही में किसान सम्मान निधि के हस्तानान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन दो वर्ष पहले यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत एवं दशकों से लंबित मांग को पूरा कर अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। साथ ही, आज ही के दिन प्रधानमंत्री ने हरियाणा के पानीपत से महिला उत्थान एवं महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' का अभियान शुरू किया था।

**राज्य के हर गिरदावर सर्किल पर 23 जनवरी से लगेंगे शिविर-**

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार गरीब, महिला, युवा और किसान सहित सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है। आमजन तक राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 'ग्राम उत्थान शिविर शुरू किये जा रहे हैं। इन शिविरों में तारबंदी, डिग्गी, पाइप लाइन, फार्म पौंड, फव्वारा एवं ड्रिप, प्लास्टिक मल्च, सौर पंप जैसी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की स्वीकृतियां दी जाएंगी। साथ ही, मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के तहत मिले आवेदनों का निस्तारण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन शिविरों में सोलर पंप, किसान क्रेडिट कार्ड, नए कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए आवेदन, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत पशुओं का पंजीकरण, पशु टीकाकरण करवाया जाएगा। साथ ही

प्राथमिक डेयरी सहकारी समिति और डेयरी सहकारी समितियों का पंजीकरण, स्वामित्व कार्ड का वितरण, नहरों एवं खालों की मरम्मत, पीएम सूर्य घर योजना के तहत पंजीकरण, वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जल संरक्षण सहित विभिन्न कार्य इन शिविरों में करवाएं जाएंगे।

**मुख्यमंत्री ने 1 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को दी कई सौगातें-**

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रदेश के एक करोड़ से अधिक किसान, महिला एवं श्रमिक लाभार्थियों को 1 हजार 590 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में भेजी। उन्होंने 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की पांचवीं किस्त के रूप में प्रदेश के 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 653 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी की, साथ ही 5 लाख किसानों को फसल खराबे पर 327 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा दिया गया। शर्मा ने समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए 10 हजार से अधिक किसानों को 240 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई तथा मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 4 लाख पशुपालकों को 50 करोड़ की राशि भेजी गई। इस दौरान मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को 75 करोड़ रुपये से अधिक राशि अंतरित की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के 20 हजार लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये की राशि दी गई। मुख्यमंत्री ने एक लाख निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। इस दौरान 40 करोड़ रुपये के कृषि उपकरणों का वितरण भी किया गया।

**दो वर्षों में 50 हज़ार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण-**

शर्मा ने कहा कि अन्नदाता को संबल देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। प्रदेश में हमारी डबल इंजन सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्राप्त 6 हजार की राशि में 3 हजार रुपये जोड़कर इसे 9 हजार रुपये किया है। गेहूं की खरीद पर पिछले दो वर्षों में 125 रुपये और 150 रुपये का बोनस दिया गया है। साथ ही, पिछले दो वर्षों में 50 हज़ार करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त फसली ऋण दिया गया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए पीएम कुसुम योजना के तहत 52 हजार सोलर पंपसैट लगाकर 822 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया। आज प्रदेश में 22 जिलों के किसानों को दिन में बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि गौशालाओं के लिए अनुदान में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी, गोपालक परिवारों को 653 करोड़ रुपये के ब्याज मुक्त ऋण, मोबाइल वाहनों द्वारा पशुओं का उपचार जैसे कार्यों से पशुपालकों को लाभान्वित किया जा रहा है।

# मरहूम आमिर खान की चौथी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । राष्ट्रीय मानवाधिकार, पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन सांगानेर की पहल मानवता के पथ पर एक कदम देश के नाम उद्देश्य से संगठन के पदाधिकारीयों एडवोकेट सकलेन रंगरेज, अनवर हुसैन, सलीम खान, साकिर हुसैन के पारिवारिक सदस्य मरहूम आमिर खान की चतुर्थ पुण्यतिथि (वफात) की याद में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक 125, जयपुरिया अस्पताल के पास गोपालपुरा टोंक रोड जयपुर में आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय मानवाधिकार, पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन नई दिल्ली के सांगानेर विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश शर्मा ने दी जानकारी के अनुसार इस

रक्तदान शिविर में 54 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक रखा गया था। जिसमें सैकड़ो लोगों ने रक्तदान कर पुण्य कमाया। इस सुनहरे मौके पर सांगानेर विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश शर्मा, एडवोकेट मुकेश वर्मा, एडवोकेट सुशील जैन, एडवोकेट सकलेन रंगरेज, अफरोज, अनवर हुसैन, सलीम खान, साकिर हुसैन व अन्य कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे और ब्लड डोनेट किया। राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के सांगानेर विधानसभा अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश शर्मा ने रक्तदान शिविर में उपस्थित सभी साथियों का एवं ब्लड डोनेट करने वाले सभी व्यक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

# विराट हिंदू समाज का हुआ विराट सम्मेलन

**सादिक हिन्दस्तानी**

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । सांगानेर प्रताप नगर सेक्टर 5 के एलबीएस प्रांगण में विराट हिंदू समिति के तत्वाधान में एक विशाल सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक रविंद्र शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में देश भर में लगभग एक लाख हिंदु सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में सांगानेर महानगर क्षेत्र के 48 बस्तियों में 48 स्थानों पर सम्मेलन आयोजित किए गए हैं। इनमें प्रताप नगर सांगानेर प्रमुख केंद्र के रूप में सामने आया है। यहां हजारों की संख्या में लोगों ने भाग लिया।

**गाजे-बाजे के साथ तीन स्थानों से निकली भव्य कलश यात्रा**

यह कलश यात्रा गणेश मंदिर, बम्बाला हनुमान मंदिर, एवं प्रतापेश्वर महादेव मंदिर से बैंड बाजे के साथ सैकड़ो महिलाओं ने भक्ति भाव सहित नृत्य करते हुए निकाली। तीन दिशाओं से निकली कलश यात्राओं का संगम बीएस आई स्कूल पर हुआ। जहां समाजसेवियों ने पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। वहां का दृश्य अत्यंत ही मनोहारी मन को हरने वाला दिखाई दे रहा था।मानो जैसे तीनों पवित्र नदियां एक साथ आकर संगम करती हुई प्रतीत हो रही थी। इस सुनहरे मौके को जय घोष, भजन, कीर्तन एवं पारंपरिक नृत्य ने पूरे वातावरण को भक्ति रस से मानो भर दिया हो। इस कलश यात्रा में राम- सीता के साथ हनुमान एवं भारत माता की संजीव झांकियां श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

**शिक्षा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की आवश्यकता : महेंद्र सिंह राजावत**

सभा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घुमंतू के प्रांतीय प्रमुख महेंद्र सिंह राजावत,अक्षय पत्र के प्रमुख स्वामी और साध्वी ऋतंबरा शिक्षा और पीठ की संस्थापिका दीदी समदर्शी ने अपने ओजस्वी भाषण से समा बांध दिया। इस अवसर पर संघ के प्रमुख महेंद्र सिंह ने कहा कि संघ के सौ वर्ष पूर्ण होने पर पूरे देश भर में लाखों हिंदू सम्मेलन आयोजित किये जा रहे हैं। उन्होंने सामाजिक समर सत्ता ,एकता, शिक्षा एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

**समाज में विकृतियों के कारण हुआ देश का विभाजन**

कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता समदर्शी ने कहा कि हिंदू समाज वीरों का समाज रहा है। पूरे विश्व में हिंदुओं ने परचम लहराया है। धीरे-धीरे समाज में विकृति होने के कारण समाज में विघटन की स्थिति पैदा हो गई और 1947 में धर्म के आधार पर देश का विभाजन हो गया। जो एक भीषण त्रासदी थी। अब एक और विभाजन की तैयारी की जा रही है। दूसरी तरफ हिंदू समाज हम दो हमारे दो पर लगा हुआ है। आज भी ज्यादातर लोग एक बच्चा पैदा कर रहे हैं। जबकि अन्य समाजों में जनसंख्या बढ़ाने के आधार पर देश पर कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में सभी माताएं बहनों से अनुरोध है कि जनसंख्या जिहाद, जमीन जिहाद, लव जिहाद आदि के द्वारा हिंदू समाज पर आक्रमण किया जा रहा है। ऐसे में हिंदू समाज को इन सब का जवाब देना होगा। कल से मां दुर्गा के गुप्त नवरात्र है। मां दुर्गा के सभी हाथों में कुछ ना कुछ होता है। ऐसे में हमें भी अपनी सुरक्षा के लिए कुछ ना कुछ घरों में उपाय करने होंगे।

**समाज सेवियों का हुआ सम्मान**

इस अवसर पर संघ चालक इंद्रमल दानोदिया, विभाग सह-कार्यवाहक उत्तम, प्रताप नगर डेवलपमेंट समिति के अध्यक्ष बालवीर, महिला मंडल अध्यक्ष जय श्री सहित विभिन्न समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले वरिष्ठ नागरिकों,मेधावी छात्रों ,वीर माताओं,सहित देश-विदेश में क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को मंच पर सम्मानित किया गया।

**अक्षय पत्र के प्रभु ने बताया महामंत्र का महत्व**

कार्यक्रम के अंत में अक्षय पत्र के प्रभु सिद्ध स्वरूप दास ने धन्यवाद के साथ आशीर्वाद वचन दिए और सभी को राम कृष्णा नाम के महामंत्र को जपने का मार्ग बताया। इस अवसर पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। कार्यक्रम में प्रताप नगर सांगानेर एवं आसपास के क्षेत्र की प्रमुख मातृ-शक्तियों और पुरुषों ने भारी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसादी वितरित की गई।

# पंच गौरव संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए हर संभव प्रयास होंगे सुनिश्चित

## - जिला कलक्टर के निर्देश पर कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ समीक्षा बैठक का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिले में चिन्हित पंच-गौरव से जुड़े स्थलों के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार, जयपुर में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंच-गौरव योजना को धरातल पर प्रभावी रूप से लागू करने तथा इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम श्रीमती विनीता सिंह ने बैठक में राज्य स्तर से पंच-गौरव योजना के लिए आवंटित बजट की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृतियां लंबित हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र जारी किया जाए। साथ ही जिन कार्यों की वित्तीय स्वीकृतियां पूर्व में जारी हो चुकी हैं, उन कार्यों को बिना विलंब प्रारम्भ कर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ शीघ्र रूप से दिखाई दे। मुख्य आयोजन अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि बैठक में मुख्यमंत्री महोदय द्वारा दिनांक 01 जनवरी 2026 को मुख्यमंत्री

कार्यालय में आयोजित पंच-गौरव योजना की समीक्षा बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों की अनुपालना सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजना के लक्ष्यों को तय समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने बताया कि पंच-गौरव की महत्ता, उपयोगिता एवं आवश्यकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से निर्देशित किया गया कि सभी राजकीय कार्यालयों, सरकारी एवं निजी विद्यालयों तथा शैक्षणिक संस्थानों में पंच-गौरव का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इससे युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन में अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक धरोहरों के प्रति जागरूकता एवं संरक्षण की भावना विकसित होगी। मुख्य आयोजन अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि कार्यक्रमों, मेलों एवं सार्वजनिक आयोजनों में पंच-गौरव से संबंधित स्टॉल लगाए जाएं, जहां आमजन को पंच-गौरव स्थलों की जानकारी, उनके संरक्षण की आवश्यकता तथा उनसे जुड़ी सांस्कृतिक विरासत से अवगत कराया जाएगा। संबंधित विभागों को पंच-गौरव के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अधिकाधिक पहल करते हुए इसे जनभागीदारी से जोड़ने के निर्देश दिए गए। बैठक में यह भी कहा गया कि पंच-गौरव केवल धरोहर संरक्षण की योजना नहीं, बल्कि यह स्थानीय पहचान, सांस्कृतिक गौरव एवं भावी पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। इसके संरक्षण एवं विकास के लिए प्रशासन, शिक्षा संस्थानों और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

# राजस्थान कांग्रेस में सुलह के संकेत, सचिन पायलट ने अशोक गहलोत को लेकर दिया बड़ा बयान

जयपुर । राजस्थान कांग्रेस की हाल की राजनीति दो बड़े चेहरों के इर्द-गिर्द घूमती है। इन दो चेहरों के बीच अदावत भी जगजाहिर रही है। हालांकि, पिछले कुछ महीनों में दोनों के बीच की दरार कम हुई है। सचिन पायलट और अशोक गहलोत दोनों ने सार्वजनिक मंचों से एक-दूसरे की तारीफ करनी शुरू कर दी है। सचिन पायलट का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो कहते नजर आ रहे हैं कि उनके और अशोक गहलोत के बीच किसी तरह का विवाद नहीं है। इस दौरान सचिन पायलट, अशोक गहलोत की तारीफ करते हुए दिखाई देते हैं।

**गहलोत से रिश्तों को लेकर पायलट का साफ जवाब**

सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच अब रिश्ते सामान्य हो गए हैं। हालांकि, साल

2023 के राजस्थान विधानसभा चुनावों में दोनों के बीच तल्खियां काफी बढ़ गई थीं। हाल ही में जब सचिन पायलट से पूछा गया कि अशोक गहलोत के साथ उनका विवाद खत्म हो गया है, तो उन्होंने साफ कहा कि दोनों के बीच कोई विवाद नहीं है। इस दौरान पायलट ने अशोक गहलोत की जमकर तारीफ की।

**सार्वजनिक मंच से गहलोत की सराहना, कांग्रेस एकजुट होने का दावा**

सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच रिश्ते सामान्य हो गए हैं। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सचिन पायलट सार्वजनिक मंचों पर गहलोत की तारीफ करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एबीपी न्यूज के एक कार्यक्रम में गहलोत की तारीफ करते हुए पायलट ने कहा कि वह पूरी तरह से कांग्रेस के समर्पित कार्यकर्ता हैं और उन्होंने अपनी जिंदगी के 50 साल कांग्रेस पार्टी के लिए लगा दिए हैं। इस दौरान पायलट ने कहा कि हम सभी मिलकर काम कर रहे हैं। बता दें कि राजस्थान को लेकर कांग्रेस ने अपना प्लान साफ कर लिया है। ऐसा माना जा रहा है कि जल्द ही पार्टी सचिन पायलट को राज्य की बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है। इससे पहले केरल विधानसभा चुनाव के लिए भी कांग्रेस ने सचिन पायलट को अहम जिम्मेदारी दी है।

# मुख्य सचिव की अध्यक्षता में स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की बैठक

## -50 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी की अनुशंसा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में स्टेट एम्पावर्ड कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसमें राज्य की निवेश प्रोत्साहन नीतियों के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज के लिए करीब 49,883.85 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों की अनुशंसा की गई। ऊर्जा, सीमेंट, खनन, टेक्सटाइल, पेट्रोकेमिकल, स्टील, स्वास्थ्य, हॉस्पिटैलिटी, ऑटोमोबाइल सेक्टर से जुड़े इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने पर 13 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार नए अवसर सृजित होंगे। इन प्रस्तावों को अब मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले निवेश बोर्ड में रखा जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बनाई जा रही निवेश अनुकूल नीतियों और योजनाओं के कारण राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल बना है। व्यापार और उद्योग स्थापना की प्रक्रिया को भी पहले की तुलना में काफी आसान कर दिया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। राज्य सरकार के इन प्रयासों और अपार उद्योग संभावनाओं के कारण देश-विदेश के निवेशक प्रदेश में निवेश कर रहे हैं। इससे निजी क्षेत्र में भी युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। पिछले एक साल में, राज्य सरकार ने इन्वेस्टमेंट इकोसिस्टम को मज़बूत करने के लिए कई सुधार किए हैं, जिसमें 20 से ज़्यादा प्रोग्रेसिव पॉलिसी लॉन्च करना और

ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस सुधारों को लागू करना शामिल है। सिंगल-विंडो प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन MoU सुविधा, राजनिवेश पोर्टल के ज़रिए समय पर अप्रूवल देना (जो 19 विभागों में 170 से ज़्यादा सर्विस देता है), GIS-इनेबल्ड इंडस्ट्रियल ज़मीन डेटाबेस, और ज़मीन अलॉटमेंट के लिए ई-ऑक्शन पोर्टल जैसी पहलों से, राजस्थान ने रेगुलेटरी एफिशिएंसी में काफी सुधार किया है। भारत सरकार के 'कंप्लायंस बर्डन कम करने' के अभियान के तहत, राज्य कंप्लायंस कम करने में भी सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वालों में से एक बनकर उभरा है। इन्वेस्टर का भरोसा बढ़ाने में एक अहम हिस्सा राजस्थान इन्वेस्टमेंट प्रमोशन स्कीम (RIPS) का रहा है, जिसके तहत FY 2025-26 में पहले ही 1500 करोड़ रुपये के इंसेंटिव दिए जा चुके हैं। यह दिखाता है कि सरकार बिज़नेस करने की लागत को कम करने और इन्वेस्टर को समय पर फायदे पहुंचाने के लिए पूरी तरह से कमिटेड है। इन लगातार सुधारों ने 8 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के MoU को ज़मीन पर उतारने में अहम भूमिका निभाई है, जिससे राजस्थान देश में सबसे ज़्यादा इन्वेस्टर-फ्रेंडली जगहों में से एक के तौर पर अपनी स्थिति मज़बूत कर रहा है।

# पराक्रम दिवस राष्ट्र का गौरव:- देवनानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पराक्रम दिवस को राष्ट्र का गौरव बताया है। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन त्याग, साहस, आत्मबलिदान और राष्ट्रप्रेम की अनुपम मिसाल है। उनका पराक्रम आज भी हर भारतीय को देश के लिए समर्पण भाव से कार्य करने की प्रेरणा देता है। देवनानी ने कहा कि नेताजी ने "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा" जैसे ओजस्वी नारे से देश की युवा शक्ति में जो चेतना जागृत की, वह स्वतंत्रता संग्राम की दिशा और दशा दोनों बदलने वाली थी। आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से उन्होंने विदेशी शासन के विरुद्ध संगठित संघर्ष को नई ऊर्जा प्रदान की। उन्होंने कहा कि पराक्रम दिवस हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए साहस, अनुशासन और निःस्वार्थ सेवा का भाव आवश्यक है। नेताजी का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है, जो उन्हें आत्मनिर्भर, राष्ट्रनिष्ठ और कर्तव्यनिष्ठ बनने का मार्ग दिखाता है।

# ग्राम लाड़ा का बास में हुई चोरी का मामला अभी तक नहीं सुलझने पर आम जन में आक्रोश

## -सरपंच मदन यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने थाना अधिकारी से मिलकर अपनी नाराजगी जताई

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम लाड़ा का बास में 10 दिन पहले हुई चोरी रामनिवास के घर का मामला अभी तक नहीं सुलझने पर आम जन में भारी आक्रोश है। सरपंच मदन यादव के नेतृत्व में सभी ग्रामीणों ने थाना अधिकारी से मिलकर अपनी पंचायत की चोरी को लेकर अवगत कराया और जल्द से जल्द चोरी खोलने की मांग की। फोन पर उच्च अधिकारियों से भी वार्तालाप हुईं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नाजीम खान, डिप्टी उमेश निठारवाल से फोन पर वार्ता की। डॉ. सुरेन्द्र यादव ने कहा, "आमजन में भारी आक्रोश है और हम चाहते हैं कि पुलिस जल्द से जल्द इस मामले को सुलझाए।

हमने थाना अधिकारी को 10 दिन का समय दिया है और उम्मीद है कि वे जल्द ही इस मामले को सुलझाएंगे।" ग्रामीणों ने कहा कि अगर जल्द ही चोरी नहीं खुलती है तो वे आगे की कार्रवाई के लिए मजबूर होंगे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और जल्द ही इसका खुलासा करने का आश्वासन दिया है। इस मौके पर डॉ. सुरेन्द्र, रामनिवास यादव, जीएसएस अध्यक्ष किशन चौरिया, कैलाश उपसरपंच, सुरेश सैनी, विकास यादव, विक्रम, जयराम,भागीरथ लाठा, ओमप्रकाश, मुकेश सहित काफी ग्रामीण मौजूद रहे।

# सांगानेर में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर भजन संध्या व प्रसादी का आयोजन

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के नगर निगम रोड़ में गणेशम टावर में भजन संध्या और गाजर का हलवा एवं पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गणेशम टावर व्यापार मंडल के सहयोग से किया गया। यह कार्यक्रम राम मंदिर अयोध्या मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में विनय फ़ागणा, मनीष फ़ागणा, हनी फ़ागणा, अंकित फ़ागणा, महेश बागड़ा, मोहित बुरा, दीपक बागड़ा, रवि बाड़ीवाल, सुनील

शर्मा, दीपक यादव, दिनेश बागड़ा, हेमराज यादव, अजय शर्मा, अशोक कुमावत, समाजसेवी जितेन्द्र शर्मा एवं गणेशम टावर व्यापार मंडल के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

**बिजली फॉल्ट के लिए**

| | |
|---|---|
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 |
| कस्टमर केयर | 2203000 |
| आईवीआरएस | 1912 |

**कचरा गाड़ी के लिए**

| | |
|---|---|
| ग्रेटर | 2747400 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 |
| हेरिटेज | 2607500 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 |

**पुलिस की मदद के लिए**

| | |
|---|---|
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 |

**पानी के लिए**

| | |
|---|---|
| जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| फायर ब्रिगेड | 2747400 |

**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**

| | |
|---|---|
| एंबुलेंस | 102/108 |
| एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| SDMH | 22574189 |
| SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |

**घायल पशुओं के लिए**

| | |
|---|---|
| नगर निगम | 2747400 |
| बर्ड बाइक | 9887345580 |
| हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# इंसानियत एकता सेवा समिति का रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान का समापन

## -405 कम्बल किये वितरण

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित नए बस स्टेण्ड पर इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा पिछले 37 दिनों से चल रहे रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान का समापन समिति व्यवस्थापक इंजीनियर जाफर खान के नेतृत्व में ज़रूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के सहायक सचिव डॉ. शाहरुख खान आसलसर ने की इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान उर्दू अदीब ने बताया कि 37 दिनों तक चले रात्रिकालीन कम्बल वितरण अभियान में चूरू सहित शेखावाटी क्षेत्र के सभी शहरों व कसबों में ज़रूरतमंद लोगों को 405 कम्बल वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता

कर रहे डॉ. शाहरुख खान ने कहा कि जरूरतमंद लोगों की मदद करना सबसे बड़ा नेक और पुण्य का कार्य है। समाजसेवी जाकिर खान केके ने कहा कि सामाजिक सरोकार में योगदान देना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। इस दौरान समिति के उपकोषाध्यक्ष मो.सलमान खान, निदेशक सदस्य बिलाल खान, संरक्षक सदस्य गुलाम हुसैन गौरी, समाजसेवी हमीद खान रिसालदार, डॉ. अखतर खान, जावेद खान, इमरान खान, हसन खान, अबरार खान, जाकिर खान के के, सोयल खान, रेहान खान, समीर खान, जाहिद खान आदि मौजूद रहे। समिति के सोशल मीडिया प्रभारी सुलेमान मनीहार ने सभी का आभार जताया।

# जिला मुख्यालय पर सिविल डिफेंस की हुई मॉक ड्रिल

## -छात्राओं को सुरक्षित खुले मैदान में पहुंचाया गया

**विनोद सोखल**

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्री आत्मवल्लभ जैन कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर को ई-मेल के माध्यम से धमकी मिलने से गुरुवार को दिनभर सुरक्षा एजेंसियों एवं महाविद्यालय प्रशासन में सतर्कता बनी रही। धमकी को गंभीरता से लेते हुए किसी भी संभावित जोखिम से बचने के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाए गए। यह घटना एक मॉक ड्रिल का हिस्सा थी। ई-मेल प्राप्त होते ही महाविद्यालय के डायरेक्टर संजय अरोड़ा द्वारा खतरे की घंटी बजाकर आपातकालीन स्थिति घोषित की गई। उन्होंने शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं सहायक स्टाफ को अनुरोध किया कि सभी छात्राओं को पूर्ण शांति एवं अनुशासन के साथ सुरक्षित खुले मैदान में पहुंचाया जाए। आपदा प्रबंधन योजना के तहत कक्षाओं को क्रमबद्ध तरीके से खाली कराया गया तथा परिसर के मुख्य द्वार एवं संवेदनशील स्थलों को सील किया गया। घटना की सूचना तत्काल जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, फायर ब्रिगेड एवं सिविल डिफेंस को दी गई। सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस, पुलिस एवं फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। सिविल डिफेंस द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेते हुए नियंत्रित किया गया, ताकि किसी भी अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश रोका जा सके। सिविल डिफेंस की प्रशिक्षित टीम ने चीफ वार्डन निर्मल जैन एवं फायर प्रभारी अनिल शर्मा के नेतृत्व में महाविद्यालय परिसर की सघन तलाशी ली। कक्षाओं,

प्रयोगशालाओं, कार्यालयों, पुस्तकालय, सभागार सहित सभी संभावित स्थानों की गहन जांच की गई। इस दौरान आपदा प्रबंधन के दृष्टिकोण से सिविल डिफेंस द्वारा एक मॉक ड्रिल का आयोजन भी किया गया। मॉक ड्रिल में यह प्रदर्शित किया गया कि किसी विस्फोट अथवा आपात स्थिति में घायल व्यक्तियों को किस प्रकार सुरक्षित बाहर निकाला जा सकता है। फायरमैन लिफ्ट, चेयरमैन नॉट, स्ट्रेचर एवं स्लाइडिंग तकनीक के माध्यम से ऊपरी मंजिलों से काल्पनिक रूप से घायल व्यक्तियों को सुरक्षित नीचे उतारने, प्राथमिक उपचार देने एवं सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया गया। इस बचाव कार्य में फायरमैन सुखवंत सिंह, डिविजनल वार्डन मनोज कुमार, सीडीआई किशन स्वामी, हरीश कुमार सहित सिविल डिफेंस टीम के अन्य सदस्यों ने सराहनीय भूमिका निभाई। सिविल डिफेंस के डिप्टी कंट्रोलर एवं श्रीगंगानगर उपखंड अधिकारी नयन गौतम ने बताया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि छात्राओं में भय अथवा घबराहट न फैले। सभी छात्राओं की खुले मैदान में उपस्थिति सुनिश्चित की गई तथा परिसर में किसी के छूट जाने की कोई संभावना नहीं छोड़ी गई। सघन जांच के उपरांत यह पुष्टि की गई कि महाविद्यालय परिसर में किसी भी प्रकार की विस्फोटक सामग्री अथवा संदिग्ध वस्तु नहीं पाई गई। इसके पश्चात स्थिति को पूर्णतः नियंत्रण में घोषित कर दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी प्रकार की धमकी या अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महाविद्यालय के डायरेक्टर संजय अरोड़ा ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा महाविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सिविल डिफेंस, फायर ब्रिगेड, जिला प्रशासन एवं समस्त स्टाफ के सहयोग की सराहना की तथा छात्राओं एवं अभिभावकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और प्रशासन पर विश्वास बनाए रखने की अपील की।

उन्होंने बताया कि भविष्य में भी आपात परिस्थितियों से निपटने हेतु नियमित मॉक ड्रिल, सुरक्षा प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही साइबर सुरक्षा एवं संचार माध्यमों की निगरानी को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। महाविद्यालय प्रशासन ने छात्राओं, अभिभावकों, मीडिया एवं आमजन से शांति, संयम एवं सहयोग बनाए रखने तथा केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करने की अपील की है।

# घमुड़वाली में पुलिस की सख्त गश्त, नशा व चोरी पर कसेगा शिकंजा

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। घमुड़वाली थाना क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। थाना प्रभारी (SHO) राजेन्द्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र में रोजाना सुबह व शाम नियमित गश्त की जा रही है। गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों व गतिविधियों की सघन जांच की जा रही है, ताकि चोरी व अन्य आपराधिक घटनाओं को समय रहते रोका जा सके। SHO राजेन्द्र सिंह ने आमजन

की सुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए अपना व्यक्तिगत मोबाइल नंबर 8112269978 सार्वजनिक किया है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि नशा बेचने वालों, अपराधियों या किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना सीधे उन्हें दें। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि घमुड़वाली इलाके में नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी गई है, जो आगे भी निरंतर जारी रहेगी। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य क्षेत्र को अपराध और नशे से मुक्त बनाना है। उन्होंने आमजन से पुलिस का सहयोग करने और समाज व देश को नशे की बुराई से बचाने की अपील की है। किसी भी प्रकार की सूचना के लिए सीधे संपर्क करें।

# घमुड़वाली थाना प्रभारी ने की गौ सेवा, गौशाला में गौ माता को खिलाया गुड़

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। घमुड़वाली थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने सामाजिक सरोकार निभाते हुए गौ सेवा का संदेश दिया। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने स्थानीय गौशाला पहुंचकर गौ माता को गुड़ खिलाया और उनका दुलार किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा सर्वोत्तम सेवा है, इससे आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि समाज के हर व्यक्ति को मूक एवं निरीह प्राणियों की सेवा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा केवल गौ माता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हर जरूरतमंद और असहाय प्राणी की मदद करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। थाना प्रभारी

की इस पहल से गौशाला परिसर में सकारात्मक माहौल देखने को मिला और उपस्थित लोगों ने इस कदम की सराहना की। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस अधिकारियों द्वारा इस प्रकार के सामाजिक कार्य करने से समाज में अच्छा संदेश जाता है और जनमानस में विश्वास मजबूत होता है।

# जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव समीक्षा गौतम ने रैन बसेरों का निरीक्षण कर जांची व्यवस्थाएं

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार गुरुवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा आश्रय स्थल गौरव पथ कलेक्ट्रेट के सामने, महिला आश्रय स्थल एवं रेलवे स्टेशन सवाई माधोपुर के पास स्थित अस्थाई आश्रय स्थल का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित नगर परिषद के जिला परियोजना अधिकारी गिर्राज साहू से आश्रय स्थलों में मौसमानुकूल इंतजामों, ओढने-बिछाने के लिये पर्याप्त गद्दों, रजाई, कम्बल आदि की उपलब्धता, पीने योग्य पानी की नियमित उपलब्धता, सफाई व्यवस्था, स्नानघर एवं शौचालय की व्यवस्था, विद्युत व्यवस्था, हीटर एवं प्राथमिक उपचार किट, कैमरों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था, प्राथमिक उपचार किट की उपलब्धता, कीट नियंत्रण,

आवासितों के लिए भोजन की व्यवस्था, विशेष योग्यजनों, विमंदित, बच्चों एवं वरिष्ठ नागरिकों को आवश्यकतानुसार विशेष सुविधाओं की उपलब्धता, डॉक्टर की विजिट आदि के संबंध में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट के सामने स्थित आश्रय स्थल एवं महिला आश्रय स्थल में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई, परंतु रेलवे स्टेशन के पास स्थित अस्थाई आश्रय स्थल में साफ-सफाई का अभाव पाया गया, पर्दे फटे हुए पाए गए एवं आश्रितों के सामान की सुरक्षा के लिए एवं आश्रितों को सर्दी से बचाने के लिए कोई इंतजाम नहीं होना पाया गया। निरीक्षण के दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा नगर परिषद के जिला परिजोयना अधिकारी गिर्राज साहू को आश्रय स्थल की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने, आवासितों के लिए मूलभूत आवश्यक सुविधाएं जैसे पीने योग्य साफ पानी, प्राथमिक उपचार किट, पर्याप्त रोशनी आदि उपलब्ध करवाने एवं पर्दों के स्थान पर लोहे के चद्दरों से चारदीवारी करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए।

# चूरू के जांबाज भाइयों का ऐतिहासिक सफर: 33 दिनों में नापा कश्मीर से कन्याकुमारी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। "साहस और जुनून हो तो रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं।" इस कहावत को चूरू के दो युवा भाइयों, ललित जांगिड़ और निखिल जांगिड़ ने सच कर दिखाया है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4,112 किलोमीटर की कठिन साइकिल यात्रा पूरी कर चूरू लौटने पर शहरवासियों ने इन्द्रमणि पार्क में उनका भव्य नागरिक अभिनंदन किया।मुख्य अतिथि ने बढ़ाया उत्साह समारोह के मुख्य अतिथि विधायक हरलाल सारण ने दोनों युवाओं का माला पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। विधायक सारण ने कहा कि बर्फीले पहाड़ों से समंदर के तट तक का यह सफर केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि 'फिट इंडिया' का एक जीवंत संदेश है। इन युवाओं की इस उपलब्धि से देश के लाखों युवाओं को प्रेरणा मिलेगी। संघर्ष की दास्तां: जंगल में टेंट और बर्फीली राहें अखिल भारतीय विश्वकर्मा छात्र एवं युवा

संघ के राष्ट्रीय महासचिव बी.एन. राजोतिया ने बताया कि: यह यात्रा 11 राज्यों से होकर गुजरी। युवाओं ने घने जंगलों, रेगिस्तान और दुर्गम पहाड़ियों का सामना किया। रात के समय जंगलों में टेंट लगाकर विश्राम किया और हर बाधा को पार करते हुए लक्ष्य हासिल किया।भावुक क्षण और सम्मान कार्यक्रम के दौरान जब ललित और निखिल ने रास्ते की कठिनाइयों और अपने अनुभवों को साझा किया, तो उपस्थित जनसमूह रोमांचित हो उठा। बेटों की इस सफलता को देख पिता और भाई संजय जांगिड़ की आंखें नम हो गईं। पूर्व भाजपा विधायक प्रत्याशी तारानगर राकेश जांगिड़ ने भी दूरभाष के माध्यम से युवाओं को बधाई दी।समारोह में उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्व समारोह की अध्यक्षता श्री विश्वकर्मा मंदिर प्रबंधक समिति के नरोत्तममल जांगिड़ ने की। इस अवसर पर भंवर लाल चोयल, चिरंजीलाल गहलोत, संदीप जांगिड़, अनिल खारिया, ओम प्रकाश खारिया सहित सैंकड़ों शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विनोद कुमार सैनी आकाश ने किया।

# बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के वाइस चेयरमैन देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने किया जनसंपर्क

**मोहम्मद अली पठान**

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान उच्च न्यायालय, जोधपुर के प्रतिष्ठित एडवोकेट एवं बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के वाइस चेयरमैन देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने जनसंपर्क के दौरान अपने गांव महलाना में रात्रि विश्राम किया। उल्लेखनीय है कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के वाइस चेयरमैन देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने जोधपुर से 10 दिवसीय सम्पर्क अभियान के तहत बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, नोहर, भादरा सहित विभिन्न जिलों की स्थानीय बार कॉउन्सिल के अधिवक्ता साथिओं से आगामी बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के होने वाले चुनाव के सम्बन्ध में सम्पर्क और विचार विमर्श किया। एडवोकेट देवेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इससे पूर्व डूंगरपुर, बांसवाड़ा सहित दक्षिणी राजस्थान के जिलों की तथा पश्चिम राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, पाली आदि जिलों की स्थानीय बार के सभी अधिवक्ता साथिओं से सम्पर्क किया जा चुका है। राठौड़ ने बताया कि आगामी सम्पर्क हाड़ोती क्षेत्र के कोटा, बूँदी आदि तथा शेखावाटी क्षेत्र में किया जाएगा। सनद रहे कि बार कौंसिल ऑफ़ राजस्थान के चुनाव 5 वर्ष में होते हैं, जिसमें राजस्थान के करीब सवा लाख अधिवक्ता भाग लेते हैं और पांच वर्ष के लिए 25 सदस्यों का चुनाव करते हैं। महलाना गांव में मास्टर सुरेन्द्र सिंह राठौड़ सहित अधिवक्ताओं और ग्रामीणों ने एडवोकेट देवेंद्र सिंह राठौड़ का अभिनंदन किया।

# टिया व अमानक सामग्री से नाली निर्माण, प्रशासन मूकदर्शक

## -पुरानी ईंटों से बनाया जा रहा नाला, भविष्य में बन सकता है बड़ी समस्या

**विनोद सोखल**

हनुमानगढ़/गोलूवाला (रॉयल पत्रिका)। गोलूवाला कस्बे में निवादान गौशाला रोड पर हो रहे नाली निर्माण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटिया व अमानक सामग्री का खुला इस्तेमाल कर नाला बनाया जा रहा है। निर्माण कार्य में पुरानी व इस्तेमाल की हुई ईंटें लगाई जा रही हैं, जिससे नाले की मजबूती और गुणवत्ता पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जब इस मामले को लेकर अधिकारियों के सामने आवाज उठाई गई, तो जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने रहे। हैरानी की बात यह है कि कल भी नाला निर्माण के दौरान विवाद की स्थिति उत्पन्न हुई, लेकिन इसके बावजूद कार्य को बिना किसी रोक-टोक के जारी

रखा गया। लोगों का आरोप है कि यदि इसी तरह घटिया निर्माण किया गया तो आने वाले समय में यह नाला पानी भराव, टूट-फूट और दुर्घटनाओं का कारण बनेगा। साथ ही, इससे सरकारी राजस्व को भी भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कागजों में गुणवत्ता दर्शाकर जमीनी स्तर पर घटिया काम किया जा रहा है।

**स्थानीय नागरिकों ने सवाल उठाया है कि:-**

आखिर पुरानी ईंटों के उपयोग की अनुमति किसने दी?

तकनीकी जांच और निगरानी क्यों नहीं की जा रही?

क्या यह सब ठेकेदार–अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है?

लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि नाली निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और मानक सामग्री से दोबारा निर्माण कराया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन जनता की शिकायतों को गंभीरता से लेता है या फिर यह मामला भी फाइलों में ही दबकर रह जाएगा।

# चूरू के सैजान खान का नेशनल प्रतियोगिता में चयन

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के सैजान खान 15 वर्षीय बालक वर्ग में जयपुर जैसी सशक्त और मजबूत टीम को जीशान और अब्दुल समद के साथ खेलते हुए शिकस्त देकर गोल्ड मेडल हासिल किया। 70 वीं राज्य स्तरीय टेबल टेनिस चैम्पियन शिप में, चूरू के 15 वर्षीय सैजान खान और 13 वर्षीय हिमांशु राठौड़ ने जोधपुर के चैनपुर स्टेडियम में उस वक्त तहलका मचा दिया, जब फाइनल मुकाबले में, 15 वर्षीय बालक वर्ग में, जयपुर जैसी सशक्त और मजबूत टीम को, जीशान और अब्दुल समद के साथ, शिकस्त देते हुए, गोल्ड

मेडल पर कब्जा कर लिया। और राज्य स्तरीय इस प्रतियोगिता में चूरू को आकर्षण का केन्द्र बना दिया। यह प्रतियोगिता जोधपुर में 15 से 20 जनवरी के बीच संपन्न हुई। चूरू के टेबल टेनिस स्टार यहीं पर नहीं रुके, बल्कि 17 वर्षीय, 19 वर्षीय और पुरुष वर्ग में भी अपनी धाक दिखाते हुए, हिमांशु, सैजान, आदित्य और जीशान ने पुरुष वर्ग में कांस्य पदक, तो 19 वर्षीय में सिल्वर मेडल जीत लिया। वहीं बालिका 13 वर्षीय वर्ग में, गरिमा ने भी कांस्य पदक जीत लिया। गुजरात के, गांधी धाम में आयोजित होने वाली भावी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए, सैजान खान का चयन हो जाने पर, साई के वरिष्ठ कोच रमेश पुनिया ने खुशी का इजहार किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की है।

# सनातन संस्कृति की अद्भुत शक्ति के दर्शन करेंगे श्रद्धालू

**मोहम्मद यासीन**

पाली (रॉयल पत्रिका)। अणुव्रत नगर के विशाल प्रांगण में 24 जनवरी शनिवार से आयोजित होने जा रहे 9 दिवसीय विराट आध्यात्मिक महा महोत्सव के लिए सनातन समुदाय एकजुट हुआ है। सनातन समाज, व्यवसाय, सेवा संगठनों, मंडलों के प्रतिनिधियों ने गुरुवार शाम कृष्णागिरी पीठाधीश्वर वसंत विजयानंद गिरी महाराज का आशीर्वाद लिया। सनातन समाज प्रतिनिधियों को आशीर्वचन में वसंत विजयानन्द गिरी महाराज ने कहा कि सनातन की शक्ति को पहली बार मारवाड़ वासी प्रत्यक्ष अनुभव करेंगे। सनातन सर्व शक्तिमान है और धर्म की सुरक्षा के लिए धर्म की शक्ति दिखाने की आवश्यकता वर्तमान में है। धर्म भी एक विज्ञान है। सनातन की महिमा अनन्त है।

नौ दिवसीय अनुष्ठान में श्रद्धालू देखेंगे कि साधना, सिद्धि से समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। वसंत विजयानन्द गिरी जी महाराज ने उपस्थित सनातन समाजजनों से कहा कि कोई किसी भी पंथ, विचारधारा को मानने वाले हों, यहां सब सनातन के लिए जुटेंगे और सेवा करेंगे। गुरुदेव ने सभी को नौ दिवसीय अनुष्ठान में विनम्रता से सेवा देने की सीख दी। नौ दिवसीय महोत्सव में भोजन, जल, मंच व्यवस्था, पार्किंग, बैठक, सुरक्षा इत्यादि व्यवस्था के लिये कार्य निर्धारण किया गया। बैठक का संचालन समाजसेवी उगमराज सांड ने किया और कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। इस अवसर पर

आनंद कवाड़ रोटी बैंक, कंवरलाल चोपड़ा तेरापंथी समाज, विकास बुबकिया बीजेएस, पूजा कंसारा पालीवाला बास मंडल, महावीर कोटड़िया जिरावाला मित्र मंडल भाखरी, अनिता कंसारा-कंसारा समाज महिला मंडल, अनिल चौहान बजरंग दल, बाबूलाल कुमावत विहिप, ललित प्रितमानी सिंधी समाज, हुकमाराम देवासी समाज, एमडी वैष्णव – वैष्णव समाज, नरेन्द्र तिवाड़ी - गुर्जरगौड़ ब्राह्मण समाज, रामचन्द्र जांगिड़ - ब्राह्मण समाज, सोहनसिंह - शिव सेना, बाबूलाल - ब्राह्मण सोनी समाज, विजयराज सोनी - लाखोटिया मंडल, राधाकिशन - भारतीय सिंधु समाज, नवरत्न कंसारा - कंसारा समाज, कैलाशचंद्र - राकावत समाज, जयप्रकाश व्यास - सिखवाल ब्राह्मण समाज, रमेशचन्द्र - माली समाज, डॉ. मनोजकुमार - जीनगर समाज, भाग्यवती - गणेश मंडल, पारस भाटी - घांची समाज, रामसुख पायक - नामदेव छिपा समाज, पुरण प्रकाश निंबार्क - वैष्णव निंबार्क समाज सहित विभिन्न समाज संगठनों मंडलो के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मां पद्मावती शक्तिपीठ धाम कृष्णगिरी सेवा ट्रस्ट अध्यक्ष शंकेश जैन ने बताया कि वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज के सानिध्य में 24 जनवरी 2026 शनिवार से 1 फरवरी 2026 रविवार तक आयोजित होने जा रहे 9 दिवसीय आध्यात्मिक महोत्सव में प्रतिदिन सुबह 11 बजे से साधना होगी। जिसमें समृद्धि को आकर्षित करने वाले जीबू कॉइन और पायरेट लक्ष्मी कुबेर यंत्र सिद्ध करवाये जाएंगे। दिव्य मंत्रोच्चार से सर्वसिद्धि की कामना होगी। दोपहर 3 बजे से श्री महालक्ष्मी महायज्ञ होगा जिसमें गुरूदेव के मार्गदर्शन में काशी के पंडितों द्वारा हजारों किलो चंदन, सूखे मेवे, दिव्य ओषधियों, जड़ी बूटियों, गाय के शुद्ध देसी घी इत्यादि से आहुतियां दी जाएगी। संध्या 7 बजे से वसंत विजयानंद गिरी जी महाराज के श्रीमुख से भैरव महापुराण कथा होगी। नौ दिवसीय महोत्सव में कथा के साथ अलग अलग दिन देश के सुप्रसिद्ध गायकों की भजन संध्या और कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी। आगंतुक समस्त श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन संध्या 5 बजे से 9 बजे तक भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। सभी आयोजनों में प्रवेश निशुल्क है।

# दुलापुरकैरी में 68 आरोग्य मित्र व सखी का चयन

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा ग्राम पंचायत दुलापुरकैरी को आयुष्मान आरोग्य ग्राम योजना में चिन्हित किए जाने के बाद योजना का क्रियान्वयन उत्साह के साथ शुरू हो गया है। इस योजना में राजस्थान सरकार द्वारा दिये गए 18 सूचकांक पूर्ण किये जाने पर व गांव के पूर्ण निरोगी होने पर ग्राम पंचायत को 11 लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। आयुष्मान आरोग्य मंदिर की प्रभारी डॉ. वाटिका किनरा ने बताया कि इसके तहत महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय

दुलापुरकैरी सहित पूरे गाँव से 68 आरोग्य मित्रों व सखियों का चयन किया गया। चयनित प्रतिभागियों को औषधीय पौधों के गुणधर्म व उपयोग की जानकारी देते हुए इन्हें दैनिक जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य दिनेश धूड़िया, नर्स विजय लक्ष्मी सहित शिक्षक, कर्मचारी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

# फर्स्ट लाफ पॉलीक्लीनिक का द्वितीय वर्षगांठ पर आयोजित रक्तदान शिविर में 41 यूनिट रक्त संग्रहित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित बच्चो के अस्पताल फर्स्ट लाफ पॉलीक्लीनिक की द्वितीय वर्षगांठ पर गुरुवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पॉलीक्लीनिक के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि रक्तदान में शिविर का शुभारंभ प्रात: 11 बजे मां सरस्वती के दीप के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुआ, रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान ग्रामीण बैंक के रीजनल मैनेजर सुदर्शन पारीक एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अपेक्स रणथंभौर सेविका के सीईओ अभिमन्यु सिंह, डॉ. अतुल जैन उपस्थित रहे, वही शिविर की अध्यक्षता प्रमुख होटल व्यवसायी कैलाश जैन ने की। रक्तदान शिविर में 41 लोगों ने रक्तदान कर अभी भागीदारी निभाई, रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को निदेशक द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर भी सम्मानित किया गया। इस दौरान भाजपा जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, गजेंद्र सिंह नरूका, शिवकुमार पारीक, गजेन्द्र भारद्वाज, आकाश भारद्वाज, सुधीर शर्मा, रजत भारद्वाज, भास्कर पारीक, मुरली गौतम, अजय बसवाल, प्रतीक जांगिड आदि उपस्थित रहे।

# पुत्री पाठशाला में लेक्चर स्टैंड दिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सर्वहिकारिणी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पुत्री पाठशाला, चूरू में गोल्डन मेमोरी ग्रुप, चूरू के सौजन्य से एक लेक्चर स्टैंड भेंट किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी कमल शर्मा थे। इस अवसर पर गोल्डन मेमोरी ग्रुप के किशन उपाध्याय, अजय लोहिया, मुकेश पिथिसरिया, महेन्द्र धानुका, राजपाल राठौड़ (tte), पवन शर्मा, बृजेन्द्र दाधीच, रामगोपाल कुदाल, नितेश शर्मा, प्रेरक अभिलाषा भाटी सहित विद्यालय स्टॉफ के राजेश कस्वाँ, विद्याधर, संगीता सिंधी, राजकुमार सिंह, जमुना शर्मा, मन्जु सोनी उपस्थित थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमर सिंह कस्वाँ ने गोल्डन मेमोरी ग्रुप का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

# राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 4 जैड में नशा मुक्ति जागरूकता रैली व कार्यशाला आयोजित

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चार जैड में नशा मुक्ति जागरूकता रैली एवं प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी के नेतृत्व में गाँव की प्रमुख गलियों से निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। रैली में युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने हाथों में तख्तियाँ लेकर 'नशा छोड़ो-जीवन जोड़ो' 'नशा नहीं, भविष्य चाहिए' जैसे नारों से आमजन को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया। रैली ने यह संदेश दिया कि नशा केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज की बर्बादी का कारण बनता है। रैली के पश्चात आयोजित जागरूकता कार्यशाला में विक्रम ज्याणी ने कहा कि नशा मजा नहीं बल्कि ऐसा जहर है, जो इंसान के सपने, रिश्ते और आत्मसम्मान धीरे-धीरे छीन लेता है। युवाओं से कहा गया कि आज लिया गया सही निर्णय ही उन्हें दुर्घटना, अपराध, बीमारी और अंधकारमय भविष्य से बचा सकता है। कार्यक्रम में सुरक्षा कवच बैज वितरित किये गये। वक्ताओं ने कहा कि नशा एक सोचा-समझा कारोबार है, जो युवाओं की कमजोरी को अपना हथियार बनाता है। इसलिए जागरूक रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से यह संकल्प लिया कि मैं स्वयं नशे से दूर रहूंगा/रहूंगी और अपने परिवार, गाँव व समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाऊँगा/निभाऊँगी। विद्यालय प्रधानाचार्या शनोवर बिश्नोई ने कहा कि यह अभियान एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला सामाजिक आंदोलन है, जिसका लक्ष्य चार जैड गाँव को नशा मुक्त, सुरक्षित और आदर्श गाँव के रूप में स्थापित करना है। कार्यक्रम में समस्त स्टाफ सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया। पुलिस कांस्टेबल प्रवीण कुमार ने साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों के लिए युवाओं को जागरूक किया।

# अमृत महोत्सव का शुभारंभ, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जमा रंग

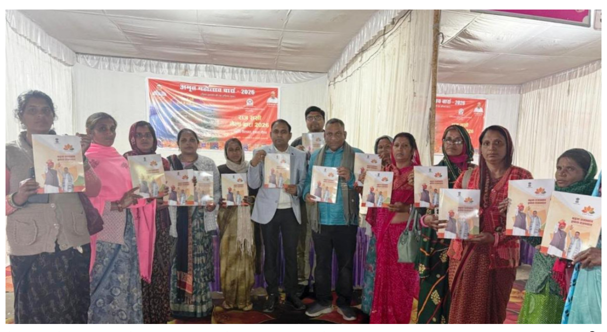

बारां (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने कृषि उपज के मंडी प्रांगण में बुधवार देर शाम जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता, राजीविका के समन्वय से आयोजित अमृत महोत्सव 2026 का उद्घाटन किया। इसके साथ ही राजसखी मेले, अमृत महोत्सव मेले का भी शुभारंभ किया गया।

राज्यमंत्री द्वारा कार्यक्रम में बालिकाओं और महिलाओं के समग्र सशक्तिकरण की इस अभिनव पहल का स्वागत कर, विभाग द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। राज्य मंत्री द्वारा महिला संरक्षण, सुरक्षा से संबंधित कानूनों, नियमों के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लोक कलाकारों व महाविद्यालय की छात्राओं ने लोक नृत्य व नृत्य की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में राज्य एवं विभाग की फ्लैगशिप लाडो प्रोत्साहन योजनान्तर्गत नवजात बालिकाओं को बेबी किट और राजकीय जनजाति आवासीय बालिका छात्रावासों में आवश्यक सामग्री किट वितरण किए गए। जिले में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत महिला अधिकारिता एवं जिला ब्रांड एम्बेसडर डॉ सुधीरा के सहयोग से राजकीय कन्या महाविद्यालय में विकसित बेटी लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन भी किया गया। शुक्रवार को कवि सम्मेलन व शनिवार को फैशन शो एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, महिला अधिकारिता सहायक निदेशक राकेश कुमार वर्मा, राजीविका जिला परियोजना प्रबंधक राजीव सिंह तोमर, सूचना एवं जनसंपर्क सहायक निदेशक योगेंद्र शर्मा, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी मोहन लाल जयपाल, बाल विकास परियोजना अधिकारी विकास कुमार गोयल, आयुक्त नगर परिषद भुवनेश मीणा, महिला अधिकारिता के ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारीगण जिला प्रशासन, राजीविका समूह, बाल अधिकारिता से संबंधित विभागों के अधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में महिलाएं, बालिकाएं, प्रबुद्धजन, पत्रकारगण, स्वयं सहायता, महिला जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

# वन्देमातरम @150 पर स्काउट-गाइड का राष्ट्रगीत गायन एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट-गाइड जिला प्रशिक्षण केंद्र बजरंग बाड़ी, पाली पर स्थानीय संघ पाली एवं गुंदोज के तत्वावधान में आयोजित पाँच दिवसीय स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का आज समापन हुआ। पाली ब्लॉक के इस शिविर में 198 स्काउट-गाइड ने सहभागिता की। राष्ट्रगीत वन्दे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्काउट-गाइड द्वारा सामूहिक राष्ट्रगीत गायन किया गया। साथ ही "वन्देमातरम @150" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक कागज पर रंग उकेरते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीना, स्वावलंबन फाउंडेशन के वैभव भंडारी, प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर बसंत कुमार परिहार, भामाशाह एवं समाजसेवी ओमप्रकाश परिहारिया द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता स्काउट-गाइड को पारितोषिक प्रदान किए गए। स्थानीय संघ पाली के सचिव कैलाश कुमार एवं गुंदोज के सचिव प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर में द्वितीय एवं तृतीय सोपान का प्रशिक्षण प्रदान किया गया तथा तृतीय सोपान की परीक्षाएँ भी आयोजित की गईं। उत्तीर्ण स्काउट-गाइड को तृतीय सोपान प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। तृतीय सोपान उत्तीर्ण स्काउट-गाइड आगामी वर्ष राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण एवं जाँच शिविर में सम्मिलित होकर राज्य पुरस्कार प्राप्ति हेतु पात्र होंगे। तृतीय सोपान उत्तीर्ण होने के 9 माह बाद राज्य पुरस्कार के लिए पात्रता प्राप्त होती है। शिविर के चतुर्थ दिवस सहायक निदेशक, स्कूल शिक्षा पाली ललित देव शर्मा द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया। उन्होंने स्काउट-गाइड को संबोधित करते हुए अनुशासन, सेवा-भाव एवं आदर्श नागरिक के रूप में देश निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

# थानागाजी पंचायत समिति में औचक निरीक्षण, कई कार्यालयों पर लटके मिले ताले

## -कर्मचारियों की गैरहाजिरी पर कारण बताओ नोटिस

थानागाजी/अलवर (रॉयल पत्रिका)। थानागाजी पंचायत समिति परिसर में गुरुवार को सचिवालय की निरीक्षण टीम ने औचक निरीक्षण किया। डिप्टी सेक्रेटरी सुनील शर्मा के नेतृत्व में पहुंची टीम जब विभिन्न विभागों के निरीक्षण के लिए पहुंची तो कई कार्यालयों पर ताले लटके मिले, जबकि अनेक कर्मचारी व अधिकारी नदारद पाए गए। निरीक्षण के दौरान टीम ने जब अपना परिचय दिया, तब भी पंचायत समिति के अंदर मौजूद अधिकारियों-कर्मचारियों की ओर से किसी प्रकार का कोई रिस्पांस नहीं मिला। सुनील शर्मा ने बताया कि निरीक्षण के समय कोई भी अधिकारी अपनी निर्धारित सीट पर उपस्थित नहीं था और न ही कार्यालयों में कार्य होता पाया गया। ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों के अनुसार पंचायत समिति के कई कर्मचारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और आम जनता के कार्यों को जानबूझकर टाला जा रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। टीम ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही कार्रवाई की। निरीक्षण के दौरान ब्लॉक शिक्षा कार्यालय में भी कर्मचारी अनुपस्थित मिले। इस पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को अवगत कराया गया है। टीम ने गैरहाजिर अधिकारियों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। डिप्टी सेक्रेटरी सुनील शर्मा ने स्पष्ट किया कि सरकारी कार्यालयों में अनुशासनहीनता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आमजन के कार्यों में कोताही बरतने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# छिनोद में सड़क सुरक्षा रात्रि चौपाल आयोजित, नुक्कड़ नाटक से दिया गया जागरूकता संदेश

बारां (रॉयल पत्रिका)। सड़क सुरक्षा समिति बारां द्वारा जिला परिवहन अधिकारी डॉ. कल्पना शर्मा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत छिनोद में सड़क सुरक्षा रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों एवं दुर्घटना रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हेड कांस्टेबल राजेंद्र उपस्थित रहे, जबकि सरपंच प्रतिनिधि भानुप्रताप सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। रात्रि चौपाल के दौरान नुक्कड़ नाटक टीम के सदस्य दशरथ, कैलाश कुमार, राजाराम, ईश्वर लाल एवं राजेंद्र द्वारा प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, तेज गति से वाहन न चलाने, नाबालिगों को वाहन न देने, शराब पीकर वाहन न चलाने तथा मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन न चलाने जैसे महत्वपूर्ण संदेश ग्रामीणों तक सरल भाषा में पहुंचाए गए। इस अवसर पर एनजीओ सदस्य हरीश कुमार एवं रघुवीर ने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण यातायात नियमों की अनदेखी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति नियमों का पालन करे तो दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। उन्होंने आमजन से स्वयं सुरक्षित रहने के साथ-साथ दूसरों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की अपील की। मुख्य अतिथि हेड कांस्टेबल राजेंद्र ने यातायात नियमों की जानकारी देते हुए कहा कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट एवं चारपहिया वाहन चालकों के लिए सीट बेल्ट जीवन रक्षा कवच हैं। उन्होंने ग्रामीणों से नियमों का पालन करने तथा बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। रात्रि चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। आयोजन को सफल बनाने में ग्राम पंचायत, सड़क सुरक्षा समिति एवं एनजीओ सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

# कार्यशाला में अधिक से अधिक सामूहिक विवाहों के आयोजन हेतु संस्थाओं को किया अभिप्रेरित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना 2021 के अन्तर्गत सामूहिक विवाह आयोजित कराने वाली संस्थाओं को सामूहिक विवाह से सम्बन्धित विभागीय दिशा निर्देशों, योजना के ऑनलाईन पोर्टल के साथ-साथ आवेदन करने के स्पष्ट प्रावधानों की जानकारी प्रदान करने हेतु गुरूवार को कार्यालय सहायक निदेशक महिला अधिकारिता, सवाई माधोपुर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में जिले में सामूहिक विवाह का आयोजन कराने वाली विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों रामफूल प्रजापति, प्रजापति समाज विकास संस्थान, नरसीलाल, अखिल भारतीय खटीक समाज, गिर्राज सिंह, अंकिता सेवा समिति, मनफूल बैरवा, अखिल भारतीय बैरवा समाज विकास समिति, गिर्राज प्रसाद साहू, साहू समाज विकास संस्थान, गोपाल जी महाराज आदि उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को विभागीय परिपत्र, दिशा निर्देशों, मार्गदर्शिका उपलब्ध कराते हुए विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में पदाधिकारियों को योजनान्तर्गत प्रदान किए जाने वाली अनुदान राशि प्रति जोड़ा 25 हजार रूपये की जानकारी दी गई और अधिक से अधिक सामूहिक विवाहों के आयोजन हेतु संस्थाओं को अभिप्रेरित किया गया।

# शिविरों के माध्यम से अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : जिला कलक्टर

## -ग्राम उत्थान सेवा शिविरों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। वंदेमातरम@150 के 19 से 26 जनवरी तक द्वितीय चरण में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों एवं 23 जनवरी से शुरू होने वाले ग्राम उत्थान सेवा शिविरों के संबंध में गुरूवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने वंदेमातरम @150 के द्वितीय चरण में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने-अपने विभागों में प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियां आयोजित कर राजस्थान सरकार एवं भारत सरकार के पोर्टल पर नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग इस सप्ताह में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित करें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से वंदे मात्रम गायन, रैली, शपथ, रंगोली, पेंटिंग, कार्यालय परिसरों की साफ-सफाई, दौड़ सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित कर उनके अच्छे फोटोग्राफ एवं विडियों पोर्टल पर अपलोड करें। बैठक में जिला कलक्टर ने 23 जनवरी से आयोजित होने वाले शिविरों में प्रमुख 12 विभागों से संबंधित योजनाओं की जानकारी आमजन को उपलब्ध करवाने एवं विभाग से सम्बन्धित योजनाओं का मौके पर ही लोगों को लाभ दिलवाने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी उपखण्ड अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन आयोजित होने वाले शिविरों की प्रगति की समीक्षा कर रिपोर्ट प्रदान की जाए। उन्होंने बैठक में सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिविर में विभाग की योजनाओं से संबंधित लाभार्थियों को लाभ दिए जाने के लक्ष्य निर्धारित कर अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजनाओं से जोडे जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशानुरूप इन शिविरों के माध्यम से अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी उपखण्ड अधिकारियों को उपखण्ड स्तर पर नोडल अधिकारी एवं विकास अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। उन्होंने सभी प्रमुख विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविरों के अनुसार योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार प्रतिदिन लक्ष्यनुरूप लोगों को लाभांवित करें। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुडानिया, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलेन्द्र सिंह, सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जैमिनी, संयुक्त निदेशक कृषि राकेश कुमार अटल, अधीक्षण अभियंता विद्गत विभाग बीएल मीना, अधीक्षण अभियंता पीएचईडी बीएस मीना, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी मनोज कुमार सहित संबंधित अन्य विभागीय अधिकारी, वीसी के माध्यम से जुडे सभी उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी एवं अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# कुरैशी महासभा संस्थान ने अदिल कुरैशी को बनाया प्रदेश मीडिया प्रभारी

सीकर (रॉयल पत्रिका)। निष्पक्ष, निर्भीक और जनहित की पत्रकारिता से अपनी अलग पहचान बनाने वाले पत्रकार अदिल कुरैशी को कुरैशी महासभा संस्थान द्वारा प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर समाज के विभिन्न वर्गों और शुभचिंतकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। संस्थान के पदाधिकारियों ने विश्वास जताया कि अदिल कुरैशी की लेखनी, अनुभव और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के माध्यम से संस्थान की आवाज़ प्रदेश स्तर पर और अधिक सशक्त एवं प्रभावी होगी, तथा समाज के हित में सकारात्मक भूमिका निभाई जाएगी। कुरैशी महासभा संस्थान की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल कार्यकाल की कामना की गई है।

# मुख्यमंत्री ने किसानों को 17 करोड़ की राशि का किया हस्तांतरण

बारां (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिरोही जिले से लाइव प्रसारण के माध्यम से गुरुवार को मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत जिले के किसानों को पांचवी किस्त की राशि के हस्तान्तरण किया। कार्यक्रम का जिला मुख्यालय, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सजीव प्रसारण किया गया। जिला मुख्यालय पर जिला परिषद के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण करते हुए पात्र कृषकों को लाभान्वित किया गया। जिले के 1,69,635 लाभार्थियों के खाते में 16 करोड़ 96 लाख 35 हजार रूपए स्थानांतरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा लाभार्थी किसानों से संवाद भी किया गया। कार्यक्रम में विधायक राधेश्याम बैरवा, एडीएम भंवरलाल जनागल, सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एसडीएम विश्वजीत सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कृषि वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर पुरस्कृत किसान उपस्थित थे।

# नगर परिषद सवाई माधोपुर में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार बुधवार को नगर परिषद सवाई माधोपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम की अध्यक्षता में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों के संबंध में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में सचिव समीक्षा गौतम द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं परिवार में वरिष्ठ नागरिकों के महत्व, नालसा (वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवाएं) योजना 2016 के तहत वरिष्ठ नागरिकों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सहायता, माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम 2007, वृद्धजनों को मिलने वाली रियायतों, वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त कानूनी सहायता, भारत में वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित चुनौतियों एवं उनके निवारण के उपायों आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान सचिव समीक्षा गौतम द्वारा वृद्धजनों एवं अन्य आमजन की समस्याओं को भी सुना गया। इस दौरान नगर परिषद आयुक्त देवेन्द्र जिन्दल द्वारा उपस्थित आमजन को नगर परिषद द्वारा संचालित योजनाओं प्रधानमंत्री आवास योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना, जन्म-मृत्यु एवं विवाह पंजीयन, घूमन्तु समुदाय के व्यक्तियो के पहचान प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से छात्रावास अधीक्षक भावना शर्मा ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा वृद्धजनों के लिए संचालित इंदिरा गांधी वृद्धावस्था पेंशन योजना एवं मुख्यमंत्री असहाय पुनर्वास योजना के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही पैनल अधिवक्ता अभय कुमार गुप्ता, डिप्टी लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल वीरेन्द्र कुमार वर्मा, असिस्टेंट लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल अक्षय सिंह राजावत द्वारा न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान अभियान के माध्यम से जनउपयोगी सेवाओं जैसे बिजली, पानी, स्वच्छता, परिवहन, बैंकिंग, बीमा, डाक, तार, टेलीफोन सेवा से संबंधित शिकायतों के निस्तारण, मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान के माध्यम से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निस्तारण एवं राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से प्री-लिटीगेशन एवं न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के आपसी सहमति से निस्तारण के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल, रिकी सैन, धनराज मीना, गिर्राज रैगर, मोरसिंह गुर्जर, देवनारायण गुर्जर, महेश कुमार गुर्जर द्वारा नगर परिषद में कैनोपी लगाकर आमजन को राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, हिट एंड रन योजना, न्याय आपके द्वार लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान अभियान के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ एवं त्वरित समाधान, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना, हिट एण्ड रन योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन्म प्रमाण पत्र संबंधी आवेदन प्राप्त किये गये।

## अनु-आर्य का प्रपोजल सीक्वेंस होगा यादगार

# निहारिका चौकसे

टीवी एक्ट्रेस निहारिका चौकसे को जीटीवी के लोकप्रिय शो 'तुम से तुम तक' में दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। शो में प्यारी और मासूम अनु का किरदार निभा रही निहारिका ने हाल ही में कश्मीर में हुई शूटिंग को लेकर अपनी खुशी और उत्साह जाहिर किया। यूनिट ने कश्मीर के खूबसूरत लोकेशन पर शूटिंग की, जहां बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल ने सीन्स को और भी शानदार बना दिया। निहारिका ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'हमारी कश्मीर ट्रिप बहुत अच्छी चल रही है। हम यहां अभी कुछ और दिनों के लिए हैं और यह शेड्यूल बहुत खास होने वाला है। इसमें शो के सबसे ज्यादा इंतजार किए जाने वाले पलों में से एक दिखाया जाएगा यानी अनु (निहारिका) और आर्य (शरद केलकर) का प्रपोजल। ' उन्होंने आगे बताया, 'आने वाले एपिसोड्स में दर्शक अनु को आर्य सर को बचाते हुए देखेंगे। सभी इमोशनल उतार-चढ़ाव के बाद, आर्य सर आखिरकार अपनी फीलिंग्स जाहिर करेंगे और अनु को प्रपोज करेंगे। यह उनकी जर्नी में एक बहुत महत्वपूर्ण और खूबसूरत मोड़ है। पूरी टीम इसे यादगार बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। 'कश्मीर के बारे में निहारिका ने बताया कि यह उनकी पांचवीं या छठी ट्रिप है। उन्होंने कहा, 'हर बार जब मैं कश्मीर आती हूं, तो यह उतना ही नया लगता है। कश्मीर सच में मेरी पसंदीदा जगहों में से एक है और धरती पर स्वर्ग जैसा लगता है। बर्फ से ढके पहाड़, ठंडी हवा और शांत माहौल हमारे सीन्स में चार चांद लगा देते हैं। ' खाने के बारे में उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'हम लोकल खाने का भी मजा ले रहे हैं और बेशक, मैं बहुत सारी मैगी खा रही हूं। इस ठंड में गर्म कटोरी मैगी का स्वाद बहुत शानदार और सुकून देने वाला होता है। शॉट्स के बीच गर्म चीज पीना और नजारों का मजा लेना बहुत अच्छा लग रहा है। ' शो में अनु और आर्य को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। निहारिका ने फैंस से अपील की, 'मैं अपने सभी फैंस से कहना चाहूंगी कि आपका इंतजार आखिरकार खत्म हो गया है। अनु और आर्य एक साथ आ रहे हैं और प्रपोजल सीक्वेंस बहुत रोमांटिक और इमोशनल होने वाला है।

## बॉर्डर 2 के लिए ट्रोल किए जाने पर बोले वरुण: काम बोलेगा

आने वाली फिल्म बॉर्डर-2 में अपनी उपस्थिति को लेकर ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करने वाले अभिनेता वरुण धवन का कहना है कि वह आलोचना पर ध्यान नहीं देते हैं और उनका मानना है कि फिल्म रिलीज होने के बाद उनका काम खुद ही अपनी कहानी बयां कर देगा। फिल्म के गाने घर कब आओगे के रिलीज होने के बाद, सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने गाने में धवन के हावभाव की आलोचना की, कुछ ने उनके प्रदर्शन पर सवाल उठाया और तर्क दिया कि वह एक सैनिक की भूमिका के लिए उपयुक्त नहीं हैं। धवन ने मंगलवार शाम फिल्म के प्रचार कार्यक्रम में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि आपको शोर-शराबा बंद करना चाहिए और काम को खुद बोलने देना चाहिए। ए सब होता रहता है, लेकिन मुझे इसमें कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इसके लिए काम नहीं करता। मैं कैसा काम करता हूं, ए आपको इस शुक्रवार को पता चल जाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे फिल्म पर भरोसा है और एक अच्छी फिल्म बनाना महत्वपूर्ण है। मुझे बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की चिंता नहीं है और मैं उस सोच का समर्थक हूं जहां काम ही आपकी पहचान बनता है। साल 1997 की ऐतिहासिक युद्ध फिल्म बॉर्डर की अगली कड़ी में बॉर्डर 2 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की कहानी बयां करती है। इसमें सनी देओल सेना के अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है, जो केसरी का निर्देशन कर चुके हैं। इस फिल्म में धवन परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर होशियार सिंह दहिया की भूमिका निभाएंगे। टी-सीरीज और जेपी दत्ता की जेपी फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म बॉर्डर 2 शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ, परमवीर चीमा, मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसे कलाकार भी हैं।

# साई पल्लवी

## की एक्टिंग पर फिदा हुए नेटिज़न्स

### 'एक दिन' को मिल रहा जबरदस्त समर्थन

एक बिल्कुल जादुई, सौम्य और क्लासिक प्रेम कहानी को दर्शाते हुए, आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म एक दिन का टीज़र जारी कर दिया गया है। इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान की प्यारी, सहज और नई जोड़ी नजर आ रही है। टीज़र इस खूबसूरत प्रेम कथा की मनमोहक झलकियों से भरा हुआ है, जो दर्शकों के लिए किसी खास तोहफे से कम नहीं है। खास बात यह है कि इसी फिल्म के जरिए साई पल्लवी हिंदी सिनेमा में अपना डेब्यू कर रही हैं और पहली ही झलक में दर्शकों का दिल जीत रही हैं। साई पल्लवी देश की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने तेलुगु, तमिल और मलयालम सिनेमा में अपने अभिनय से खास पहचान बनाई है और अब वे हिंदी फिल्मों में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसके अलावा, वे आने वाली अब तक की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक रामायण में रणबीर कपूर के साथ भी नजर आएंगी। लेकिन उससे पहले, दर्शक उन्हें एक दिन में देखेंगे, जहां वे इस प्रेम कहानी में एक बेहद मासूम और प्यारी लड़की की भूमिका निभा रही हैं।

# नीरज वोरा

## अक्षय कुमार से लेकर सुनील शेट्टी तक के करियर को ऊंचाई देने वाले बॉलीवुड के जादूगर

बॉलीवुड के मशहूर एक्टर, निर्देशक और लेखक नीरज वोरा की बहुमुखी प्रतिभा ने हिंदी सिनेमा में एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने अपने करियर में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी जैसे सितारों के साथ कॉमेडी का जादू बिखेरा। उनकी फिल्में 'हेरा फेरी', 'फिर हेरा फेरी' और 'बोल बच्चन' आज भी दर्शकों को हंसाती हैं। नीरज वोरा के पिता, पंडित विनायक राय ननलाल वोरा, एक शास्त्रीय संगीतकार थे। छह साल की उम्र में ही नीरज ने थिएटर में कदम रखा और कॉलेज के दिनों में उन्होंने ड्रामा और एक्टिंग में कई अवॉर्ड भी जीते। नीरज ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत 1984 में फिल्म 'होली' से की। इस फिल्म में आमिर खान, आशुतोष गोवारिकर, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, दीप्ती नवल, परेश रावल और मोहन गोखले जैसे बेहतरीन कलाकार थे। इसके बाद उन्होंने टीवी के लोकप्रिय शो 'सर्कस' और 'चोटी बड़ी बातें' में भी अपनी एक्टिंग का जलवा दिखाया। लेकिन असली पहचान उन्हें आमिर खान की फिल्म 'रंगीला' (1995) से मिली। इसके बाद उन्होंने कई हिट फिल्मों में लेखन, डायलॉग्स और कहानी का जादू दिखाया।

## यही बात उन्हें नाना पाटेकर बनाती है : उनके ओ रोमियो ट्रेलर कार्यक्रम से जाने पर बोले भारद्वाज

फिल्म निर्माता विशाल भारद्वाज ने बुधवार को कहा कि नाना पाटेकर कक्षा के उस बच्चे की तरह हैं जो सबको तंग तो करता है लेकिन साथ ही मनोरंजन भी करता है। उन्होंने यह टिप्पणी ओ रोमियो के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में एक घंटे की देरी के बाद दिग्गज अभिनेता के वहां से चले जाने के फैसले को समझाते हुए की। पाटेकर (75) को यहां कार्यक्रम स्थल के बाहर कैमरामैन ने देखा, लेकिन वह मुख्य कार्यक्रम में मौजूद नहीं थे, जिसमें भारद्वाज, शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी ने शिरकत की। फिल्म का ट्रेलर जारी होने के बाद, पत्रकारों ने भारद्वाज से पाटेकर की अनुपस्थिति के बारे में पूछा। भारद्वाज ने कहा, हमारी कक्षा में अक्सर कोई न कोई ऐसा बच्चा होता है जो दूसरे बच्चों को तंग करता है, लेकिन साथ ही उनका मनोरंजन भी करता है, और फिर भी हर कोई उसके आसपास रहना चाहता है। तो, नाना बिल्कुल वैसा ही व्यक्ति है। हमारी दोस्ती 27 साल पुरानी है, लेकिन हम पहली बार एक साथ काम कर रहे हैं।

# नेहा धूपिया

## ने सेहतमंद रहने का साझा किया मंत्र

**'रोज की छोटी-छोटी आदतों पर दें ध्यान'**

आज के दौर में फिटनेस और वेलनेस के नाम पर हर दिन कोई नया ट्रेंड, डाइट, या चैलेंज सामने आता है। ऐसे में लोग अक्सर उलझन में पड़ जाते हैं कि आखिर सही क्या है और गलत क्या। सोशल मीडिया पर दिखने वाली परफेक्ट बॉडी और इंस्टेंट रिजल्ट देने वाले दावे लोगों पर अनजाने में दबाव बना देते हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ने वेलनेस को लेकर एक अलग सोच सामने रखी है। उनका मानना है कि अच्छी सेहत किसी जादू या शॉर्टकट से नहीं, बल्कि रोज की छोटी-छोटी आदतों से बनती है। नेहा धूपिया ने कहा, ''अच्छी सेहत से जुड़ी चुनौतियां टिकाऊ तरीकों पर आधारित होती हैं। मैं उन उपायों को अपनाने में भरोसा रखती हूं जो मैंने खुद अपनी जिंदगी में आजमाए हैं।''नेहा ने कहा, ''मेरे एंटी-इन्फ्लेमेशन चैलेंज जैसे प्रयासों का मकसद लोगों को छोटे, लेकिन असरदार कदम उठाने के लिए प्रेरित करना है। इन चैलेंजों का उद्देश्य किसी को परफेक्ट बनाना नहीं, बल्कि मानसिक रूप से तैयार करना है, ताकि व्यक्ति अपनी सेहत को लेकर जिम्मेदारी भरे फैसले ले सके। जब हम किसी अच्छी आदत को लगातार अपनाते हैं, तो वही आदत धीरे-धीरे हमारी लाइफस्टाइल बन जाती है।'' बता दें कि नेहा ने एंटी-इन्फ्लेमेशन चैलेंज शुरू किया है। इसके तहत, वह रोजाना हल्दी-अदरक-कलौंजी वाला ड्रिंक लेती है, जिससे शरीर की अंदरूनी सूजन कम होती है। इसके अलावा, वह कुछ हेल्दी डाइट भी लेती है। दादी-नानी के देसी नुस्खों को लेकर नेहा धूपिया ने कहा,''भारत में सदियों से चले आ रहे प्राकृतिक नुस्खे आज भी उतने ही असरदार हैं। ये नुस्खे तुरंत चमत्कार नहीं दिखाते, लेकिन लंबे समय में शरीर और मन दोनों को मजबूत बनाते हैं। अच्छी सेहत का मतलब खुद पर जरूरत से ज्यादा सख्ती करना नहीं है, बल्कि अपने शरीर को समझना और उसका ख्याल रखना है।''उन्होंने कहा, ''सेहत से जुड़ी बातें डराने वाली नहीं होनी चाहिए। अगर कोई आदत तनाव या डर पैदा कर रही है, तो वह लंबे समय तक टिक नहीं सकती। इसलिए हमेशा आसान तरीकों को अपनाना चाहिए।''नेहा ने कहा, 'चबा-चबा कर भोजन खाना, शरीर को सक्रिय रखना और गट हेल्थ का ख्याल रखना बेहद जरूरी है।

(साभार एजेंसी)

# यूरोप में शुरू हो रही नई टी-20 लीग

## ईटीपीएलः अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

**नई दिल्ली, एजेंसी।** यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है।

लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के

पूर्व फील्ड हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्व्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होंगे। टिम डेविड के साथ भी बातचीत चल रही है। वॉ का मानना है कि यह लीग यूरोपियन और कॉन्टिनेंटल खिलाड़ियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ चार-पांच हफ्ते खेलने का मौका स्थानीय खिलाड़ियों की प्रगति को तेज करेगा। इंडियन सुपर लीग, प्रो कबड्डी लीग और इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के माध्यम से स्पोर्ट्स से लंबे समय से जुड़े अभिषेक बच्चन की विदेशी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में यह पहली बड़ी भागीदारी है। लीग के को-फाउंडर अभिषेक बच्चन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि ईटीपीएल जल्द ही एक भारतीय ब्रॉडकास्टर के साथ करार करने वाली है। पहले सीजन के मुकाबले आयरलैंड और नीदरलैंड्स में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल वेन्यू अभी तय किए जा रहे हैं। इस लीग का मकसद सिर्फ क्रिकेट कराना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और फैंस को एक यादगार टी20 अनुभव देना है।

## लेह में छठे खेलो इंडिया शीत खेलों की शुरूआत, आइस हॉकी सहित ये खेल भी होंगे शामिल

**लेह (एजेंसी)।** उपराज्यपाल कवींद्र गुप्ता ने अत्याधुनिक एनडीएस आइस हॉकी स्टेडियम पर छठे खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2026 की शुरूआत की मंगलवार को घोषणा की। खेल अगले सात दिन तक चलेंगे और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर इनका समापन होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि 19 प्रदेशों के 1060 प्रतिभागी इन खेलों में भाग लेंगे जिनमें खिलाड़ी, तकनीकी अधिकारी, सहयोगी स्टाफ और वालिंटियर के साथ भारतीय सेना और भारत तिब्बत सीमा पुलिस शामिल है। उन्होंने कहा कि आइस हॉकी और स्पीड स्केटिंग के अलावा पहली बार फिगर स्केटिंग की स्पर्धायें भी होंगी। उद्घाटन समारोह में गुप्ता ने कहा कि लगातार तीसरे साल खेलों की मेजबानी से लद्दाख की क्षमता, प्रतिबद्धता और चुनौतीपूर्ण उच्च पर्वतीय हालात में बड़े टूर्नामेंटों की मेजबानी की तैयारियों पर देश का भरोसा झलकता है। उन्होंने खेलों के विकास के लिये विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि एनडीएस आइस हॉकी रिंक, गुपुक तालाब और लद्दाख स्काउट्स रेजिमेंटल सेंटर रिंक खेलों के लिये पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीएस स्टेडियम पर 53.58 करोड़ रूपए की लागत से आइस हॉकी रिंक बड़ी उपलब्धि है और कारगिल में एक और आइस हॉकी रिंक तैयार हो रही है जिससे लद्दाख में शीतकालीन खेलों का बुनियादी ढांचा और मजबूत होगा।

## इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा की

**कोलंबो (श्रीलंका) (एजेंसी)।** इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार को श्रीलंका के खिलाफ पहले वनडे के लिए प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे 22 जनवरी को आर. प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। स्टार बल्लेबाज हैरी ब्रूक टीम की कप्तानी करना जारी रखेंगे जबकि प्लेइंग इलेवन में जो रूट, विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर और लेग-स्पिनर आदिल राशिद जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। पहले वनडे से पूर्व हैरी ब्रूक ने माना कि वह इंग्लैंड की कप्तानी करने के लिए काफी भाग्यशाली हैं, उन्होंने नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक वनडे इंटरनेशनल से एक रात पहले एक नाइटक्लब बाउंसर के साथ हुई अपनी कहासुनी के बारे में बताया।

## लिटन दास बोले- हमें खुद नहीं पता कहां खेलेंगे

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के वेन्यू आज तय हो सकते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को अल्टीमेटम दिया है कि वह तय करके बताए कि उसे भारत में मैच खेलना है या नहीं। क्योंकि, वर्ल्ड कप ग्रुप व शेड्यूल में कोई बदलाव नहीं होगा। हालांकि, बीसीबी ने अल्टीमेटम मिलने की बात से इनकार किया है।इस बीच बांग्लादेश के टी-20 कप्तान लिटन दास ने मंगलवार को बीपीएल मैच के बाद कहा- वर्ल्ड कप अभी बहुत दूर है। हमें अभी यह भी पक्का नहीं है कि हम वर्ल्ड कप में जाएंगे भी या नहीं।

दास ने कहा कि उन्हें इस मामले में बीसीबी से कोई जानकारी नहीं मिली है। मेरी तरह पूरा बांग्लादेश अभी सस्पेंस में है। मुझे नहीं पता, लेकिन मुझसे कोई बात नहीं हुई है।

# रियल मैड्रिड की बड़ी जीत

## स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

**मैड्रिड, एजेंसी।** काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रेंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया। दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया। अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

# 213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज लिजेल ली पर जुर्माना लगाया गया है. इतना ही नहीं डब्ल्यूपीएल 2026 में अब तक 213 रन ठोक चुकी इस खिलाड़ी के खाते में जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि लिजेल ली से गलती क्या हुई? कब हुई? ये पूरा मामला डब्ल्यूपीएल 2026 में 20 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले से जुड़ा है.

**लिजेल ली ने मानी गलती, 10% जुर्माने के साथ मिली ये सजा–** लिजेल ली को जब आउट दिया गया वो डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने एक और अर्धशतक के करीब थीं. वो 28 गेंदों में 46 रन बनाकर पूरे विस्फोटक मिजाज में

### लाइव मैच में कब घटी घटना?

वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की इनिंग के 11वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहीं लिजेल ली को आउट दे दिया गया. वो मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप हुई थीं. मामला थोड़ा नजदीकी था तो उन्हें आउट देने से पहले थर्ड अंपायर ने कैमरों के कई एंगल जांचे. थर्ड अंपायर का ऐसा मानना रहा कि जब गेंद ने विकेट की बेल्स को उड़ाया उस वक्त लिजेल ली का बल्ला हवा में था.

खेल रही थीं. ऐसे में जब उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया तो उन्होंने उस फैसले पर थोड़ी नाराजगी जाहिर की, जिसके क्रिकेट की रूल बुक की आचार संहिता के तहत गलत पाया गया.

## टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी टूर हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने स्कूलों में पहुंचा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 'क्लास ऑफ 26' सीरीज के तहत हार्दिक पांड्या, ईशान किशन और संजू सैमसन के पुराने शिक्षण संस्थानों में पहुंचा। यह सीरीज मौजूदा वर्ल्ड कप टीम के सदस्यों के शुरुआती सफर का जश्न मनाती है और डीपी वर्ल्ड के साथ टी20 वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी टूर के दौरान देश भर में अगली पीढ़ी को प्रेरित करने का लक्ष्य रखती है। क्लास ऑफ 26 का लक्ष्य है कि भारतीय क्रिकेट टीम के हर सदस्य के पुराने स्कूलों में प्रतिष्ठित ट्रॉफी को वापस ले जाया जाए, क्योंकि वे अपनी धरती पर टी20 वर्ल्ड कप का खिताब बरकरार रखकर इतिहास रचने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रयास का मकसद ट्रॉफी को उन संस्थानों तक ले जाना है जहां इन स्टार खिलाड़ियों के सपने पहली बार जागे, प्रतिभा पहली बार पहचानी गई और विश्वास पहली बार बना। तीनों संस्थानों में, ट्रॉफी का स्वागत औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर के साथ किया गया, जिसके बाद छात्रों ने टूर्नामेंट के शुभंकर ब्लेज और टोंक के साथ मज़ेदार गतिविधियों में हिस्सा लिया। छात्रों ने इंटरैक्टिव गेम्स और चुनौतियों में भी हिस्सा लिया। पहला पड़ाव वडोदरा के एमके हाई स्कूल में था, जो भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या का पुराना स्कूल है। इस मौके पर प्रिंसिपल विनय तुलसी और डायरेक्टर सुभाष पांड्या मौजूद थे। इसके बाद यह टूर पटना के कॉलेज ऑफ कॉमर्स गया, जहाँ विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन पढ़ते थे। इस दौरे में वाइस प्रिंसिपल डॉ. एम फैज़ल, स्पोर्ट्स इंचार्ज के.बी. पद्मादेव, और दूसरे टीचिंग स्टाफ, जिनमें डॉ. मुकेश कुमार मधुकर, प्रो. मृदुला कुमारी, डॉ. मनीषा रॉय, डॉ. अयान मुखर्जी और श्री सत्यम कुमार शामिल थे, मौजूद थे।

तीसरा दौरा तिरुवनंतपुरम के मार इवानियोस कॉलेज में हुआ, जो भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन का पुराना कॉलेज है। इस मौके पर प्रिंसिपल डॉ. मीरा जॉर्ज और दूसरे टीचिंग स्टाफ, जिनमें फादर थॉमस कैयलेकल, बर्सर, डॉ. टॉम थॉमस, डॉ. जिजी कुरियन, डॉ. रतीश आर और डॉ. दीपा मैरी जोसेफ शामिल थे, मौजूद थे।

## सिंधु और श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के पहले राउंड में जीते

### किरण-आकर्षी बाहर, मिक्स्ड डबल्स में भारतीय जोड़ियां हारीं

**इंडोनेशिया (एजेंसी)।** डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में बुधवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बना ली।

विमेंस सिंगल्स में पांचवीं सीड पीवी सिंधु ने जापान की मनामी सुइज़ु को कड़े मुकाबले में 22-20, 21-18 से हराया। यह मैच 53 मिनट तक चला, जिसमें सिंधु ने अहम पलों में संयम दिखाते हुए जीत तय की। विमेंस सिंगल्स में पांचवीं सीड पीवी सिंधु ने जापान की मनामी सुइज़ु को 22-20, 21-18 से हराया।

### श्रीकांत ने 22वें रैंकिंग के खिलाड़ी को हराया

मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत ने दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वतनाबे को 1 घंटे 12 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी। श्रीकांत का अगला मुकाबला टूर्नामेंट की चौथी सीड चाउ

टिएन चेन से होगा, चाउ ने आयरलैंड के न्हात गुयेन को 21-14, 21-15 से हराया।

### किरण जॉर्ज और आकर्षी कश्यप पहले राउंड में बाहर

भारतीय खिलाड़ियों के लिए दिन निराशाजनक रहा। किरण जॉर्ज मेन्स सिंगल्स के पहले राउंड में इंडोनेशिया के मोह जकी उबैदिल्लाह से 17-21, 14-21 से हारकर बाहर हो गए। विमेंस सिंगल्स में आकर्षी कश्यप भी शुरुआती दौर में डेनमार्क की जूली डावाल जैकबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गईं।

मिक्स्ड डबल्स में भारत का अभियान पहले दौर में ही समाप्त हो गया। रोहन कपूर और रुथविका गड्डे की जोड़ी को फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त थॉम गिक्वेल और डेलफिन डेलरू ने 9-21, 20-22 से हराया। वहीं ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो को फ्रांस की जूलियन मायो और लिया पालेरमो की जोड़ी के खिलाफ 23-21, 20-22, 6-21 से हार का सामना करना पड़ा।

# वर्ल्डकप से पहले साउथ अफ्रीका में टी-20 खेलेगी इंडिया विमेंस

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया अब साउथ अफ्रीका में 5 टी-20 की सीरीज खेलेगी। 17 से 27 अप्रैल के बीच डरबन, जोहान्सबर्ग और बेनोनी में पांचों मुकाबले होंगे। आईसीसी टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड में खेला जाएगा।

### ऑस्ट्रेलिया से भी खेलेगा भारत

टीम इंडिया ने नंवबर 2025 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद दिसंबर में श्रीलंका से टी-20 सीरीज खेली। भारत को इसमें 5-0 से जीत मिली। टीम अब फरवरी-मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी-20 की सीरीज खेलेगी। फिर अप्रैल में साउथ अफ्रीका से खेलने के बाद टीम वर्ल्ड कप से ठीक पहले इंग्लैंड में ही होम टीम से भी टी-20 सीरीज खेलेगी।

### साउथ अफ्रीका भी 2 टीमों से भिड़ेगी

साउथ अफ्रीका को फरवरी-मार्च में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 और वनडे सीरीज खेलनी है। टीम मार्च-अप्रैल में न्यूजीलैंड का दौरा करेगी, फिर घर लौटकर भारत के खिलाफ 5 टी-20 खेलेगी। 17 और 19 अप्रैल को डरबन में 2 मैच होंगे। 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में 2 मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं 27 अप्रैल को बेनोनी में आखिरी टी-20 होगा।

### एक ही ग्रुप में साउथ अफ्रीका और भारत

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप इंग्लैंड में 12 जून से खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका और भारत दोनों ग्रुप-1 में है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और क्वालिफायर स्टेज से आने वालीं 2 टीमें भी रहेंगी।साउथ अफ्रीका पिछले 3 आईसीसी वर्ल्ड कप से फाइनल हार रही है। टीम को टी-20 टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हार मिली, वहीं वनडे में उन्हें भारत ने खिताबी मुकाबला हराया। दूसरी ओर इंडिया विमेंस 2020 में एक ही बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन वहां उन्हें ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

# बलौदाबाजार स्पंज आयरन प्लांट में भीषण धमाका:

## -6 मजदूरों की मौत, 5 गंभीर, मलबे में दबे होने की आशंका

बलौदाबाजार । छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले से एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे की खबर सामने आई है। जिले के बकुलाही इलाके में स्थित एक स्पंज आयरन प्लांट में बुधवार सुबह अचानक जोरदार धमाका हो गया। इस भीषण ब्लास्ट में अब तक 6 मजदूरों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 5 अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई और चारों तरफ चीख-पुकार का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विस्फोट इतना तेज था कि उसकी आवाज आसपास के कई गांवों तक सुनाई दी। धमाके के कारण प्लांट की एक प्रमुख यूनिट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और वहां मलबे का बड़ा ढेर लग गया। आशंका जताई जा रही है कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ मजदूर दबे हो सकते हैं, जिन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है।

**सुबह काम के दौरान हुआ हादसा-**

जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह उस समय हुआ जब प्लांट में नियमित उत्पादन कार्य चल रहा था। मजदूर अपनी-अपनी ड्यूटी पर तैनात थे, तभी अचानक प्लांट के अंदर जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट के साथ ही लोहे के भारी ढांचे और मशीनों के हिस्से इधर-उधर गिरने लगे, जिससे कई मजदूर उसकी चपेट में आ गए। कुछ मजदूर मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कई मलबे में दब गए।

**घायलों की सूची-**

हादसे में गंभीर रूप से घायल मजदूरों की पहचान इस प्रकार की गई है—

मोताज अंसारी (26 वर्ष) – कारपेंटर
सराफत अंसारी (32 वर्ष) – कारपेंटर
साबिर अंसारी (37 वर्ष) – कारपेंटर
कल्पू भुइया (51 वर्ष) – हेल्पर
रामू भुइया (34 वर्ष) – हेल्पर

सभी घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें आईसीयू में रखा गया है।

**राहत एवं बचाव कार्य जारी-**

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड और आपदा प्रबंधन की टीमें मलबा हटाने में जुटी हुई हैं। भारी मशीनों और क्रेनों की मदद से मलबा हटाया जा रहा है ताकि यदि कोई मजदूर फंसा हो तो उसे सुरक्षित बाहर निकाला जा सके। प्रशासन ने एहतियातन प्लांट के आसपास के इलाके को सील कर दिया है।

जांच के आदेश, तकनीकी खराबी की आशंका-

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि धमाका किसी तकनीकी खराबी या अत्यधिक दबाव के कारण हुआ हो सकता है। हालांकि, वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। जिला प्रशासन और श्रम विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई हैं। प्लांट प्रबंधन से भी जवाब मांगा गया है कि सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं।

**सरकार ने लिया संज्ञान-**

छत्तीसगढ़ सरकार ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल राहत और बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा भी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

**स्पंज आयरन प्लांट क्या होता है?-**

स्पंज आयरन प्लांट में लौह अयस्क (Iron Ore) से स्पंज आयरन तैयार किया जाता है। यह प्रक्रिया डायरेक्ट रिडक्शन तकनीक के जरिए होती है, जिसमें कोयला या गैस की मदद से लौह अयस्क से ऑक्सीजन को हटाया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान उच्च तापमान और दबाव का इस्तेमाल होता है। तैयार किया गया स्पंज आयरन आगे चलकर स्टील बनाने का प्रमुख कच्चा माल होता है, जिसे स्टील प्लांट्स में भेजा जाता है। चूंकि इस प्रक्रिया में आग, गैस और भारी मशीनों का उपयोग होता है, इसलिए यहां सुरक्षा मानकों का पालन बेहद जरूरी होता है। यह हादसा एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में मजदूरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है। अब देखना होगा कि जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और पीड़ित परिवारों को कब तक न्याय मिल पाता है।

# गुजरात: कांग्रेस सांसद के भतीजे ने पत्नी को गोली मारी

## -फिर खुदकुशी की – शादी के दो महीने बाद हुई हादसा

अहमदाबाद । गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ नेता शक्तिसिंह गोहिल के भतीजे यशराज सिंह गोहिल ने पत्नी राजेश्वरी को गोली मार दी और फिर आत्महत्या कर ली। यह दुखद घटना बुधवार रात एनआरआई टावर, गुजरात में हुई। यशराज और उनकी पत्नी की शादी केवल दो महीने पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, दंपति के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद यह हिंसक घटना सामने आई। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात यशराज और उनकी पत्नी किसी निजी कारण से झगड़े में उलझ गए। झगड़ा इतना बढ़ गया कि यशराज ने लाइसेंसी बंदूक का इस्तेमाल करके अपनी पत्नी को गोली मार दी। घटना के तुरंत बाद उन्होंने 108 नंबर पर कॉल की और एंबुलेंस बुलाई। जब डॉक्टर घटनास्थल पर पहुँचे, तो राजेश्वरी को मृत घोषित कर दिया गया। इसके कुछ समय बाद यशराज ने भी खुद को गोली मारकर अपनी जान ले ली। यशराज सिंह गोहिल गुजरात समुद्री बोर्ड में अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। वे हाल ही में क्लास 2 अधिकारी से क्लास 1 अधिकारी के रूप में प्रमोट किए गए थे। उनकी मां उसी समय घर के दूसरे कमरे में मौजूद थीं और उन्हें हत्या-आत्महत्या की घटना की जानकारी तब मिली जब एंबुलेंस और पुलिस मौके पर पहुँचे। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच घटना की गहन जांच कर रही हैं। घटना के बाद एनआरआई टावर के सभी गेट बंद कर दिए गए हैं और फ्लैट में केवल निवासियों को ही प्रवेश की अनुमति है। पुलिस तैनात है और पड़ोसियों व निवासियों से पूछताछ की जा रही है। परिवार के अनुसार, यशराज और उनकी पत्नी बुधवार को किसी रिश्तेदार के घर डिनर पर गए थे। घर लौटने के बाद दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हुई। परिवार का कहना है कि बहस के दौरान मारपीट हुई और स्थिति इतनी बिगड़ी कि यशराज ने अपनी पत्नी को गोली मार दी। पुलिस अभी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि झगड़े का मुख्य कारण क्या था। विशेषज्ञों और पुलिस के अनुसार, इस तरह की घटनाओं में आमतौर पर मानसिक तनाव, व्यक्तिगत झगड़े और पारिवारिक दबाव बड़ी भूमिका निभाते हैं। यशराज और राजेश्वरी की शादी हाल ही में हुई थी, और नए जीवन की चुनौतियों और पारिवारिक अपेक्षाओं के बीच तनाव की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। इस घटना ने न केवल यशराज और उनकी पत्नी के परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है, बल्कि समाज में भी चिंता बढ़ा दी है। ऐसी घटनाएँ यह दिखाती हैं कि घरेलू विवादों को हल करने के लिए संवाद और समझौते की आवश्यकता कितनी महत्वपूर्ण है।

# सरकार ने बजट सत्र से पहले बुलाई सर्वदलीय बैठक

## -1 फरवरी को पेश होगा यूनियन बजट 2026-27

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र से पहले सरकार ने 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक संसद के सभी प्रमुख दलों के नेताओं को आमंत्रित करके आयोजित की जाएगी। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी बजट सत्र और यूनियन बजट 2026-27 से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। आम तौर पर ऐसी सर्वदलीय बैठकें संसद सत्र शुरू होने से पहले आयोजित की जाती हैं ताकि सभी दलों को वित्तीय मामलों, प्रस्तावित सुधारों और बजट से जुड़े मसलों पर विचार-विमर्श का अवसर मिल सके। संसदीय कार्य मंत्री ने इस बैठक को बुलाया है। उनका कहना है कि सरकार चाहते है कि बजट सत्र सुचारू रूप से चले और किसी भी तरह की बाधा या विवाद से पहले सभी दलों को उनके विचार साझा करने का अवसर मिले। इस बैठक में न केवल बजट प्रस्तावों की रूपरेखा पर चर्चा होगी, बल्कि कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे भी सामने आ सकते हैं जो आर्थिक नीति, कर सुधार, और सामाजिक योजनाओं से जुड़े हैं। बजट सत्र इस साल 28 जनवरी से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र की लंबाई लगभग दो महीने की होगी, जिसमें विभिन्न बिलों पर चर्चा, प्रश्नकाल, विशेष वक्तव्य और समिति प्रस्तुतियों का समावेश होगा। इसके साथ ही, सरकार अपने आगामी वित्तीय साल के लिए नीति और प्राथमिकताओं की रूपरेखा भी पेश करेगी। इस बार यूनियन बजट 2026-27 को 1 फरवरी को संसद में पेश किया जाएगा। बजट प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में वित्त मंत्री संसद के दोनों सदनों में वित्तीय प्रस्ताव और योजना पेश करेंगे, जिसमें देश की आर्थिक स्थिति, राजस्व, व्यय, और विकास परियोजनाओं के लिए आवंटन शामिल होंगे।

सरकार की योजना है कि बजट सत्र में आम जनता और व्यापार समुदाय के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की जाएँ। इन घोषणाओं में कर सुधार, कृषि और ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में निवेश, और बुनियादी ढांचे के लिए विशेष योजनाएँ शामिल हो सकती हैं। सर्वदलीय बैठक का यह भी उद्देश्य है कि सभी राजनीतिक दलों को बजट से पहले वित्तीय मुद्दों के बारे में जानकारी मिले और उनके सुझावों को ध्यान में रखा जा सके। विशेष रूप से यह बैठक इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ सालों में बजट सत्र के दौरान कई बार संसद में वाद-विवाद और विरोध प्रदर्शन देखने को मिले हैं। सर्वदलीय बैठक इन घटनाओं को कम करने और सभी दलों के बीच संवाद स्थापित करने में मदद करती है। इसके अलावा, यह बैठक सांसदों को बजट की मुख्य विशेषताओं और प्राथमिकताओं के बारे में समझने का अवसर देती है। सरकार का कहना है कि इस बैठक में उठाए गए सुझावों और विचारों का उपयोग बजट को और अधिक समावेशी और प्रभावी बनाने में किया जाएगा। वित्तीय विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों के अनुसार, बजट सत्र और उससे जुड़ी सर्वदलीय बैठकें देश की आर्थिक स्थिरता और विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

# बांग्लादेश में पाकिस्तान समर्थक जमात-ए-इस्लामी सरकार बनाने के करीब

## -चुनाव में हो सकता बड़ा उलटफेर

ढाका (एजेंसी) । बांग्लादेश में अगले महीने होने वाले आम चुनाव में राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा उलटफेर देखने को मिल सकता है। लंबे समय तक राजनीति से बाहर रही पाकिस्तान समर्थक कट्टरपंथी पार्टी जमात-ए-इस्लामी पहली बार सरकार बनाने के बेहद करीब पहुंचती नजर आ रही है। हाल ही में हुए दो अलग-अलग सर्वेक्षणों में यह पार्टी देश की दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है। इसे पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) से कड़ी टक्कर मिल रही है। जमात-ए-इस्लामी वह पार्टी है जिसने 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता का विरोध किया था और पाकिस्तान की सेना का खुलकर समर्थन किया था। उस वक्त देश में चल रहे मुक्ति संग्राम के दौरान इस पार्टी ने सक्रिय रूप से पाकिस्तानी सेना के पक्ष में काम किया और स्वतंत्रता सेनानियों के खिलाफ प्रचार तथा हिंसा में हिस्सा लिया। स्वतंत्रता के बाद 1972 में सरकार ने इस पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि 1975 में इस पर लगे बैन को हटाया गया और 1979 में जियाउर रहमान के शासनकाल में जमात-ए-इस्लामी को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई। उसके बाद यह पार्टी कई बार राजनीतिक गठबंधनों का हिस्सा बनी, लेकिन कभी भी राष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक शक्ति साबित नहीं हो पाई। पिछले कुछ दशकों में जमात-ए-इस्लामी ने अपने संगठन को फिर से सक्रिय किया और देश में धार्मिक कट्टरपंथ और सामूहिक विचारधारा के आधार पर अपनी जनसमर्थन बढ़ाने की कोशिश की। हाल के सर्वेक्षणों के अनुसार, जमात-ए-इस्लामी ने खासकर ग्रामीण और धार्मिक मतदाताओं में अच्छी पकड़ बना ली है। पार्टी की नीतियों और विचारधारा का मुख्य आधार इस्लामी कानूनों और धार्मिक पहचान को मजबूत करना है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अगर मौजूदा परिस्थितियों में विपक्षी दलों में एकता न बनी और मतदाता भ्रमित रहे, तो जमात सरकार बनाने के करीब पहुँच सकती है।

# पश्चिम बंगाल फाइनल वोटर लिस्ट की तारीख बढ़ने की संभावना, चुनाव आयोग ने किया संकेत

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर चुनाव आयोग (EC) ने फाइनल वोटर लिस्ट तैयार करने की प्रक्रिया में समय बढ़ाने पर विचार करना शुरू कर दिया है। आयोग ने पहले 14 फरवरी तक फाइनल वोटर लिस्ट जारी करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन हाल ही में सुप्रीम कोर्ट (SC) ने ऐसे निर्देश दिए हैं, जिन्हें मौजूदा समय-सीमा में पूरा करना चुनौतीपूर्ण साबित हो रहा है। इस कारण से चुनाव आयोग ने इस समय-सारिणी में बदलाव करने की संभावना जताई है। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision – SIR) की प्रक्रिया काफी व्यापक और जटिल है। इस प्रक्रिया में मतदाता सूची के हर विवरण की जांच की जाती है और किसी भी विसंगति (discrepancy) को ठीक किया जाता है। इस बार SIR के दौरान लगभग 1.25 करोड़ मतदाताओं की जानकारी में लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी (Logical Discrepancy) पाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी मतदाताओं के विवरण ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। इस आदेश का पालन करने के लिए आयोग को अतिरिक्त समय की आवश्यकता महसूस हो रही है। चुनाव आयोग ने पहले 7 फरवरी को SIR की सुनवाई की अंतिम तारीख तय की थी, जबकि फाइनल वोटर लिस्ट 14 फरवरी को जारी करने का निर्णय लिया गया था। आयोग के अधिकारी ने बताया कि लोकल लेवल पर लिस्ट लगाना, हर वोटर को रसीद देना और उनके विवरण की अंतिम जांच करना एक लंबी और जटिल प्रक्रिया है। इसे जल्दबाजी में पूरा करना न केवल तकनीकी रूप से कठिन है, बल्कि प्रशासनिक रूप से भी चुनौतीपूर्ण है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पूरी तरह पालन करना आवश्यक है। वर्तमान में समय-सीमा में ऐसा करना लगभग असंभव है। इसलिए आयोग अतिरिक्त समय देने पर विचार कर रहा है, ताकि सभी मतदाता सूची की त्रुटियों को सही ढंग से ठीक किया जा सके और हर मतदाता को उचित रूप से सूची में शामिल किया जा सके। चुनाव आयोग ने यह भी संकेत दिया है कि अंतिम फैसला अभी होना बाकी है। आयोग की यह जिम्मेदारी है कि वह न केवल समय पर वोटर लिस्ट जारी करे, बल्कि यह सुनिश्चित करे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर न रहे। इसके लिए उन्हें स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर काम करना होगा और हर ग्राम पंचायत, ब्लॉक और वार्ड कार्यालय में मतदाता सूची को सही और सार्वजनिक करना होगा। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में मतदाता से जुड़े सभी विवरण जैसे नाम, पता, उम्र और अन्य जरूरी जानकारी की जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान यदि कोई विसंगति पाई जाती है।

# यूरोपीय यूनियन ने भारत से रक्षा समझौते को मंजूरी दी

## -नई दिल्ली में अगले हफ्ते होगी डील

ब्रुसेल्स (एजेंसी)। यूरोपीय यूनियन (EU) ने भारत के साथ नए रक्षा और सुरक्षा समझौते को मंजूरी दे दी है। यह समझौता सिक्योरिटी और डिफेंस एग्रीमेंट के रूप में होगा। अगले हफ्ते नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारत-EU शिखर सम्मेलन में इस पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर होंगे। EU की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने बुधवार को यूरोपीय संसद में इस जानकारी को साझा करते हुए कहा कि यह साझेदारी बड़े रणनीतिक एजेंडे का हिस्सा है। इस एजेंडे में न केवल रक्षा सहयोग, बल्कि मुक्त व्यापार समझौता (Free Trade Agreement), साइबर सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, और काउंटर टेररिज्म जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। उनका कहना था कि यह समझौता भारत और EU के बीच विश्वसनीय और दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करेगा। यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस अवसर पर भारत आने वाले हैं। वे 26 जनवरी को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके बाद अगले दिन 27 जनवरी को भारत-EU शिखर सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें दोनों पक्ष रक्षा और सुरक्षा समझौते सहित अन्य रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करेंगे।विश्लेषकों का कहना है कि यह समझौता भारत की वैश्विक सुरक्षा रणनीति में महत्वपूर्ण कदम है। इसके तहत दोनों पक्ष सैन्य सहयोग, तकनीकी साझेदारी और सामरिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देंगे।

# ग्रीनलैंड विवाद: अमेरिका की धमकियों में फंसा डेनमार्क और NATO की भूमिका पर सवाल

नुउक (एजेंसी)। डेनमार्क इस समय ऐतिहासिक और राजनीतिक उलझनों में फंसा हुआ है। समस्या किसी दुश्मन देश से नहीं, बल्कि अपने ही सहयोगी देश अमेरिका से है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कई बार ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की धमकियां दी हैं। यह विवाद इसलिए भी खास है क्योंकि ग्रीनलैंड आधिकारिक रूप से डेनमार्क का हिस्सा है और डेनमार्क की तरह अमेरिका भी NATO का मेंबर देश है। ऐसे में NATO का जटिल सवाल सामने आया है—अगर एक मेंबर देश दूसरे मेंबर देश को धमकी दे तो NATO की भूमिका क्या होगी? इस पर ग्रीस के पूर्व वित्त मंत्री और अर्थशास्त्री यानिस वारोफाकिस ने सोशल मीडिया पर अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि यह डेनमार्क के पिछले कर्मों का नतीजा है। NATO बाहरी दुश्मनों से सुरक्षा देने के लिए है, लेकिन इसमें यह तय नहीं है कि एक मेंबर देश को दूसरे मेंबर देश से बचाना इसका काम है। असल में यह दलील डेनमार्क ने 1974 में ग्रीस और तुर्की के बीच साइप्रस विवाद के समय भी दी थी। उस समय NATO के दो सदस्य देशों के बीच जंग जैसी स्थिति पैदा हुई थी, तब डेनमार्क ने स्पष्ट किया था कि NATO का काम किसी मेंबर देश को दूसरे मेंबर देश के हमले से बचाना नहीं है। यही दृष्टिकोण अब ग्रीनलैंड विवाद में डेनमार्क के लिए चुनौती बन गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि डेनमार्क अब खुद को एक राजनीतिक दुविधा में पाता है। अगर अमेरिका ग्रीनलैंड पर कोई मिलिट्री एक्शन करता है, तो NATO इस मामले में सीधे हस्तक्षेप नहीं करेगा। यह स्थिति डेनमार्क के लिए अपनी नीतियों और अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर पुनर्विचार करने की ज़रूरत दिखाती है।

# ट्रम्प का 71 वीं बार भारत-पाक युद्ध रुकवाने का दावा

## -कांग्रेस ने पीएम मोदी और सरकार पर कसा तंज

नई दिल्ली । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत-पाकिस्तान के बीच कथित युद्ध रुकवाने के दावे को लेकर भारतीय राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। ट्रम्प ने एक बार फिर सार्वजनिक मंच से यह दावा किया कि उन्होंने मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव को रोका था। इस पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा है कि यह ट्रम्प का 71वां दावा है। बुधवार को स्विट्ज़रलैंड के दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) के दौरान ट्रम्प ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालात बेहद गंभीर हो चुके थे और दोनों देश परमाणु युद्ध के करीब पहुंच गए थे। ट्रम्प के मुताबिक, उनकी पहल से यह टकराव रुका और "लाखों लोगों की जान बची"।

**कांग्रेस का हमला: "कल तक 70, आज 71"-**

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्रम्प के इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व में ट्विटर) पर ट्रम्प का वीडियो साझा करते हुए लिखा— "कल तक गिनती 70 थी और आज यह 71 हो गई है। यह याद रखना चाहिए कि दावोस में भारत का एक बड़ा आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल मौजूद है।" कांग्रेस का कहना है कि जब भारत सरकार लगातार यह कहती रही है कि भारत-पाक तनाव को कम करने में किसी तीसरे देश की भूमिका नहीं रही, तब ट्रम्प बार-बार इस तरह के दावे क्यों कर रहे हैं और सरकार इस पर चुप क्यों है।

**व्हाइट हाउस में भी दोहराया दावा-**

यह पहली बार नहीं है जब ट्रम्प ने ऐसा कहा हो। इससे पहले

बुधवार सुबह वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी ट्रम्प ने यही बात दोहराई थी। उन्होंने कहा कि अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में उन्होंने कई ऐसे युद्ध खत्म किए जिन्हें "असुलझा हुआ" माना जा रहा था, और इनमें भारत-पाक संघर्ष भी शामिल है। ट्रम्प ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हालात इतने बिगड़ चुके थे कि परमाणु युद्ध की आशंका बन गई थी। उनके अनुसार, अगर संघर्ष नहीं रुकता तो 1 से 2 करोड़ लोगों की जान जा सकती थी, जिसे उन्होंने अपनी पहल से टाल दिया।

**'पीएम मोदी के अच्छे दोस्त' पर जयराम रमेश का तंज-**

जयराम रमेश ने इससे पहले भी ट्रम्प के बयानों पर कटाक्ष किया था। उन्होंने लिखा था कि "परसों तक गिनती 68 थी, कल यह 70 तक पहुंच गई और अब 71 हो गई।" उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के "अच्छे दोस्त" और उन्हें कई बार "जबरन गले लगाने वाले" ट्रम्प यह बार-बार घोषित कर चुके हैं कि 10 मई 2025 को ऑपरेशन सिंदूर के अचानक रुकने के पीछे वही थे। कांग्रेस का कहना है कि अगर ट्रम्प का दावा गलत है तो सरकार को खुलकर इसका खंडन करना चाहिए, और अगर सही है तो देश को सच बताया जाना चाहिए।

**चीन भी कर चुका है ऐसा दावा-**

दिलचस्प बात यह है कि भारत-पाक तनाव को कम कराने का दावा सिर्फ अमेरिका ने ही नहीं किया था। 30 दिसंबर 2025 को चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भी बीजिंग में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि चीन ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव को कम कराने में भूमिका निभाई थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने वांग यी के इस बयान को सोशल मीडिया पर साझा भी किया था।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com